हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 2 नवंबर 2025

तापमान

अधिकतम 31. 0 डिग्री
न्यूनतम 16.0 डिग्री

11 किसी भी राष्ट्र के सांस्कृतिक विकास का मापदंड....

11 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से मोहा सबका मन

खबर संक्षेप

टास्क देकर महिला को 2.93 लाख का चूना

जींद। साइबर ठगों ने एक महिला को ऑनलाइन टास्क पूरा करने पर मुनाफे का झांसा देकर दो लाख 93 हजार रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खरकरामजी निवासी कविता ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है।

अपहरण का प्रयास चार के खिलाफ केस दर्ज

कैथल। राजौंद थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी 13 वर्षीय स्कूल की छात्रा से छेड़छाड़ और अपहरण करने का प्रयास किया गया है। छात्रा के पिता की शिकायत पर राजौंद थाना में चार युवकों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया कि उसकी बेटी 9वीं कक्षा में पढ़ाई करती है। 31 अक्टूबर को उसकी बेटी स्कूल से अपने घर वापस लौट रही थी।

पराली अवशेष जलाने पर मुकदमा दर्ज

जींद। गांव सैंथली में खेत में पराली जलाने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने कृषि विभाग की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कृषि विभाग के अधिकारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सरकार ने पराली अवशेष जलाने पर कानूनन रोक लगाई हुई है।

उदयपुर में बाड़े से आठ पशु चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव उदयपुर में बीती रात चोरों ने पशुबाड़े का ताला तोड़ कर आठ बकरियों को चोरी कर लिया। उचाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उदयपुर निवासी जगदीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने मकान के साथ पशुबाडा बनाया हुआ है। बीती रात चोरों ने पशुबाड़े का ताला तोड़ कर उसकी आठ बकरियों को चोरी कर लिया।

लंबित मांगो को लेकर रोष प्रदर्शन छह को

जींद। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत महिला एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों की लंबित मांगो को लेकर एमपीएचडब्ल्यू एसो ने छह नवंबर को प्रदेश में सिविल सर्जन कार्यालयों पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की जूम मीटिंग के बाद एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव, उप प्रधान सुदेश ने जानकारी दी।

प्रदेशस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 11 से होगा

जींद। राज्य स्तरीय एथलेटिक्स बैंडमिंटन, बास्केटबाल, हैंडबाल, तैराकी व वालीबाल प्रतियोगिता 11 से 13 नवंबर तक अंबाला व पंचकूला जिले में करवाई जाएंगी। इसमें प्रतिभागिता करने वाले जिले के खिलाड़ियों का दो व तीन को ट्रायल होगा। एथलेटिक्स की ट्रायल नवदीप स्टेडियम नरवाना में होगी।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव उचाना कलां से संदिग्ध हालात में युवती के गायब होने पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव उचाना कलां निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा।

कोचिंग की 50% फीस देगा राह ग्रुप फाउंडेशन

जींद। राह ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ ने कहा कि यदि जींद जिले में कोई बेटी या बेटा सरकारी नौकरी की तैयारी के लिए कोचिंग लेता है तो उसकी 50 प्रतिशत फीस राह ग्रुप फाउंडेशन अदा करेगी। इसके अलावा संस्था बेटियों को ब्यूटी पार्लर, बुटीक व सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दिलवाने की दिशा में भी भरसक प्रयास करेगी।

जिलेभर में विवाह समारोह की धूम : बाल विवाह पर रहेगी सरकारी अधिकारियों की नजर, टीम अलर्ट

आज करें शादी तो साथ रखें आयु का प्रमाण पत्र

आज से प्रारंभ होंगे विवाह के शुभ मुहुर्त, ज्वैलर्स से लेकर फोटोग्राफरों तक सब एडवांस बुक

आज सुबह 07:31 बजे तक कार्तिक शुक्ल एकादशी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭| जींद

देवउठनी एकादशी के साथ ही जिलाभर में विवाह समारोहों की धूम शुरू हो गई है। हालांकि देवउठनी एकादशी के लिए शनिवार को बहुत कम विवाह हुए लेकिन रविवार दो दिसंबर को अबुझ साया है और युवा भी खूब विवाह बंधन में बंधेंगे। ऐसे में विवाहों की आड़ में कुछ बाल विवाह भी हो सकते हैं। जिसके चलते अगर आज आपके घर या परिवार में किसी की शादी है तो शादी की रस्मों को अदा करने के साथ-साथ दुल्हा व दुल्हन की आयु का प्रमाण पत्र भी साथ रखना अनिवार्य होगा। दो नवंबर की सुबह 07:31 बजे तक कार्तिक शुक्ल एकादशी रहेगी। इस दिन भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने के साथ शुभ कार्यों के द्वार खुलेंगे। जिला में रविवार होने वाली शादियों पर जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीम की विशेष नजरें रहेगी। लड़के की आयु 21 वर्ष से कम तथा लड़की की आयु 18 वर्ष की आयु से कम पाई जाती है तो कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके साथ-साथ अब बाल विवाह के केस में पोक्सो एक्ट का केस दर्ज करवाने का प्रावधान भी कर दिया गया है। विवाह समारोह को लेकर हर चीज हुई बुक : देवउठनी एकादशी से शुभ मुहुर्त की शुरूआत होती है। यह वह दिन होता है, जिसमें शादी के लिए पंडित से मुहुर्त निकलवाने की जरूरत नहीं होती। रविवार को जींद जिले में सैंकडों शादियां शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में होंगी। इन शादियों को लेकर तमाम बैंक्वट हाल और धर्मशालाएं बुक हैं। यह बुकिंग-डे एंड नाइट की है। पार्कों तक में उन लोगों ने शादी के लिए टैंट लगा दिए हैं, जो बैंक्वट हाल या धर्मशाला की बुकिंग नहीं करवा पाए। एक-एक पार्क में टैंट लगाए गए हैं। गलियों में भी जगह मिली है तो वहां शादी के लिए टैंट लगाए गए हैं।

जींद। विवाह समारोह को लेकर सजाई गई बुग्गी। फोटो :हरिभूमि

धर्मशाला तक खाली नहीं

फोटोग्राफर की बुकिंग पहले हो चुकी है। वह भी कई-कई बुकिंग उठा चुके हैं। टैक्सी वालों ने भी दिन के लिए अलग और रात के लिए अलग बुकिंग कर ली है। मनमाने रेट पर यह बुकिंग हुई हैं। इसी तरह हलवाई भी बेहद व्यस्त हैं। एक-एक हलवाई के पास कई-कई बुकिंग हैं। वहीं होटलों में डे एंड नाइट की बुकिंग शादी को लेकर हो चुकी है। तमाम बैंकेट हाल की यही हालत है। धर्मशाला तक खाली नहीं हैं।

आज से शुरू होंगे विवाह के शुभ मुहुर्त

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि दो नवंबर से विवाह के लिए शुभमुहूर्त शुरू हो रहे हैं। जो लगातार 35 दिन तक रहेंगे। 12 दिसंबर से 30 जनवरी तक शुक्र अस्त रहेगा। इसलिए इस दौरान शुभ मुहूर्त नहीं होंगे। इसके बाद फरवरी और मार्च में फिर से शुभ मुहूर्तों की शुरुआत होगी। हर कोई शुभ कार्यों के लिए शुभ मुहुर्त का इंतजार करता है। ऐसे में एक नवंबर से भगवान विष्णु योग निद्रा से जाग गए हैं और शुभ कार्यों की शुरूआत हो गई है।

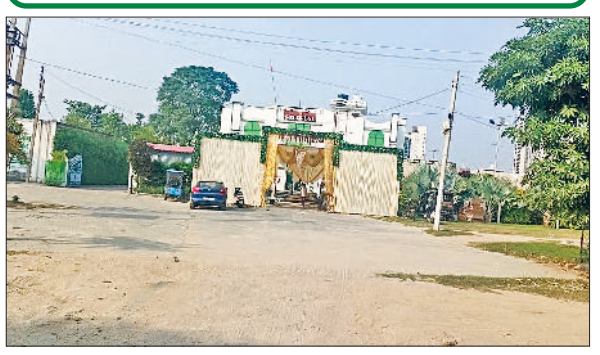

यह रहेंगे शुभ मुहूर्त: नवंबर 2025 में :-2, 3, 7, 8, 12, 13, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29, 30: दिसंबर 2025 में :- 4, 5, 6, 12

देवउठनी एकादशी मुहुर्त ज्वैलर्स के लिए फायदेमंद

प्रदीप ज्वैलर्स के प्रदीप भोला ने बताया कि सोने के रेट बढने के बावजूद विवाह समारोह के लिए ज्वैलर्स के पास अच्छे आर्डर आए हैं। यह मुहुर्त ज्वैलर्स के लिए अच्छा रहने वाला है। इसी तरह बत्तख चौक के पास के फूल वाले दीपक का कहना है कि अक्षय तृतीय को लेकर गाड़ी सजाने के लिए एडवांस बुकिंग हैं। सुबह ही गाडियों को सजाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। फूल बेचने वालों से लेकर दुल्हे की कार सजाने वालों को सांस लेने की फुर्सत नही होगी। वहीं हलवाई जगदीश का कहना है कि अक्षय तृतीय पर्व को लेकर तीन-तीन जगह बुकिंग ली हुई है।

बाल विवाह रोकने के लिए टीमें गठित

देवउठनी ग्यारस पर होने वाली शादियों पर रहेगी विशेष नजर देवउठनी ग्यारस पर बाल विवाह न हो, इसके लिए जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीमें लगातार निगरानी रखेंगी। अब बाल विवाह के केस में पोक्सो एक्ट का केस दर्ज करवाने का प्रावधान भी कर दिया गया है। जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सुनीता ने बताया कि देवउठनी ग्यारस पर बाल विवाह होने का अंदेशा बना रहता है, जो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत कानूनी अपराध है। बावजूद इसके जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीम किसी भी स्तर पर कोर कसर छोडना नही चाह रही है। सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी रवि लोहान ने बताया कि जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सुनीता के दिशा-निर्देशन में बाल विवाह रोकने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और एमडीडी ऑफ इंडिया का भी सहयोग लिया जा रहा है। टीम ने सभी से निवेदन किया है कि वह अपने अपने कार्यों के साथ-साथ विवाह में लड़का, लड़की के जन्म से संबंधित कागजात मंगवा कर देखें ताकि पता लग सके कि दोनों बालिग हैं या नहीं। बाल विवाह से संबंधित सूचना तुरंत महिला हैल्पलाइन नंबर 181, 112 नंबर या 8814011559 पर दें।

कैथल: एक ही दिन में तीन गुना बढ़ गया एयर क्वालिटी इंडेक्स का स्तर

हरिभूमि न्यूज ⏭| कैथल

जिले का एयर क्वालिटी इंडेक्स अचानक से खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इससे कैथल अब रेड जोन में आ गया है। शुक्रवार को एक्यूआइ मात्र 108 था जो बढ़कर शनिवार को 326 दर्ज किया गया है। यह स्तर इस बार का सबसे ज्यादा स्तर है। दीपावली के दिनों में भी एक्यूआइ 300 से ऊपर नहीं गया था, लेकिन अब 326 पर पहुंच गया है। मौसम में बदलाव और सुबह-शाम स्माग छाने के कारण एक्यूआइ बढ़ा है। शाम होते ही आंखों में जलन भी हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी सांस और गले के रोगियों के लिए होती है। दो दिनों से हवा भी नहीं चल रही है। हवा चलने या वर्षा होने से ही यह स्तर कम होगा। एक्यूआइ का स्तर बढ़ने के कई कारण होते हैं। इनमें मुख्य कारण सड़कों पर उड़ने वाली धूल, कचरे में आग और धान अवशेष में आगजनी हैं। इसके अलावा भी वाहनों से निकलने वाले धुंए और बड़े निर्माण कार्यों के कारण भी एक्यूआइ बढ़ जाता है।

खुलेआम नियमों की उल्लंघना

इस समय भी शहर में कई जगहों पर कचरे में आग लगाई जा रही है। यहां तक कि नागरिक अस्पताल में भी कचरे में आग लगाई हुई थी। ऐसे में सरकारी विभाग की नियम तोड़ेंगे तो आम नागरिक भी नियम नहीं मानेंगे। कचरे में आगजनी को रोकने की जिम्मेदारी नगर परिषद की होती है, लेकिन नप की तरफ से इसको लेकर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। आगजनी होने पर टीम को मौके पर जाना चाहिए और जांच करने के बाद आग लगाने वाले पर भी कार्रवाई करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थान और या सड़कों के पास लगे कचरे के ढेर इनमें आगजनी अब आम बात हो गई है।

पति के अवैध संबंधों से खफा महिला ने दी जान

पति समेत दो पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭| जींद

गांव किलाजफरगढ़ में पति के अवैध संबंधों से खफा महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। जुलाना थाना पुलिस मृतका के भाई कर शिकायत पर आरोपित पति तथा महिला के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव किलाजफरगढ़ निवासी मनजीत की पत्नी गीता (32) ने संदिग्ध हालात के चलते जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजनो द्वारा उसे पहले जुलाना सीएचसी तथा बाद में गंभीर हालात देखते हुए पीजीआई रोहतक ले जाया गया। जहां पर उपचार के दौरान गीता की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर जुलाना थाना पुलिस तथा मायका पक्ष मौके पर पहुंच गए और हालातों का जायजा लिया। मृतका के भाई नरवाना निवासी बलवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बहन की शादी लगभग 15 साल पहले मनजीत के साथ हुई थी। मनजीत के गांव की ही महिला से अवैध संबंध थे। जिसको लेकर घर मे कलह होती थी। अवैध संबंधों को विरोध करने पर गीता के साथ अक्सर मारपीट की जाती थी। जिससे परेशान हो कर गीता ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। जिसके चलते उसकी बहन की मौत हो गई। बलवान ने आरोप लगाया कि मनजीत तथा महिला से परेशान हो उसकी बहन गीता ने यह कदम उठाया है। जुलाना थाना पुलिस ने बलवान की शिकायत पर मनजीत तथा कविता के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

कैथल। गांव चंदाना में 25 अक्टूबर को संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता की मौत हो गई थी। अब इस मामले में मृतका के भाई गांव मोहल खेड़ा नरवाना निवासी जीवन की शिकायत पर चंदाना निवासी पति अभिषेक, ससुर धर्मपाल, सास बीरमति और ननद अन्नु के विरुद्ध तितरम थाना में केस दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया कि उसकी बहन मीनू की शादी 27 नवंबर को आरोपित अभिषेक के साथ हुई थी। मीनू की शादी में करीब 22 लाख रुपये खर्च किए थे। आरोपितों को एक बाइक और सोने के आभूषण दिए गए थे। शादी के कुछ महीने तक तो आरोपित ठीक ठाक रहे। इसके बाद मीनू को दहेज कम लाने की बात कह कर ताने मारने लगे। उसकी बहन को कहते थे कि तेरे घर वालों ने बहुत कम दहेज दिया है। उन्हें गाड़ी ना देकर बाइक दी गई, जिससे उनकी बेज्जती हुई है। कुछ दिनों के बाद मीनू बीमार हो गई तो ससुराल पक्ष के लोग कहने लगे कि उनके पल्ले ये बीमार बांध दी। दहेज में गाड़ी ना लाने को लेकर मीनू को परेशान करना शुरू कर दिया और मारपीट भी करने लगे थे।

हत्या के आरोपित दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजे

वारदात में प्रयुक्त पेचकस-बाइक को जल्द बरामद किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭| कैथल

कुलवंत नगर कलायत निवासी 27 वर्षीय सुरेंद्र की हत्या के मामले में डीएसपी बीरभान और सीआइए-वन पुलिस टीम ने दो आरोपितों गांव मानस निवासी अमन और विजय को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को 31 अक्टूबर को शाम के समय कैथल से पकड़ा गया था। दोनों को शनिवार को अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान दोनों से वारदात में प्रयुक्त पेचकस और बाइक को बरामद किया जाएगा। इस मामले को लेकर तीसरी आरोपित महिला पूनम की संलिप्तता को लेकर पुलिस गहनता से जांच कर रही है। शनिवार को डीएसपी बीरभान टीम के साथ घटना स्थल पर गए थे। वहां जाकर जांच की गई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि अमन और विजय दोनों दोस्त हैं। 30 अक्टूबर को दोपहर के समय विजय ने फोन करके अमन को सूचना दी थी कि तुम्हारी मां पूनम अभी सुरेंद्र के साथ है। उस समय विजय हनुमान वाटिका के पास था और उसने दोनों को कमरे में जाते देख लिया था।

68 मामलों में 97 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭| कैथल

15 लाख 31 हजार रुपये मूल्य की चोरीशुदा जन संपत्ति बरामद

पुलिस ने जिले में अमन-चैन एवं कानून व्यवस्था कायम रखने के अतिरिक्त नागरिकों को नशे के दुष्परिणाम तथा साइबर अपराध से अवगत करवाने के लिए जागरूक करने सहित अपराधियों के खिलाफ उच्च मनोबल के साथ कर्तव्य पालन करते अक्तुबर माह के दौरान उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। शराब व मादक पदार्थ तस्करी, चोरी, लूट, सेंधमारी, अवैध असला रखने आदि के 68 मामलों में 97 आरोपी गिरफ्तार किए गए है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अक्तुबर माह दौरान संपंती विरुद्ध अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए 31 मामलों में 52 आरोपी काबू कर उनके कब्जे से 15 लाख 31 हजार रुपये मूल्य की चोरीशुदा जन संपत्ति बरामद की गई है। गत माह के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अपराधियों के खिलाफ विशेष मुहिम चलाकर एनडीपीएस एक्ट तहत 8 मामले दर्ज कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से 305 किलो 100 ग्राम डोडा पोस्त, 2 किलो 830 ग्राम गांजा, 563 ग्राम अफीम, 61.43 ग्राम हैरोइन व 7 किलो 314 ग्राम चरस सहित बड़ी मात्रा में लाखों मूल्य का नशीला पदार्थ बरामद किया गया। अक्टूबर माह के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज किए गए 25 मामलों में 26 आरोपी गिरफ्तार किए गए है, जिनके कब्जे से 416 बोतल देशी, 130 बोतल हथकढी शराब तथा 1085 लीटर लाहण बरामद हुआ। अवैध असला अमुनेशन रखने वाले अपराधियों पर भी शिकंजा कसते हुए 3 मामलों में 3 आरोपियों को काबू करके 4 अवैध देसी पिस्तौल, व 5 कारतूस बरामद किए गए। जुआ/सट्टा अधिनियम के 1 मामले में 3 आरोपियों को काबू करके 4200 रुपये बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त अक्तुबर महीने के दौरान जिला पुलिस ने 15 बेल जंपर व 1 पी.ओ. आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

उचाना। उचाना कलां में बन रहा शौचालय। फोटो :हरिभूमि

25 लाख से बन रहा शौचालय

उचाना। उचाना कलां में पशु अस्पताल के पास नगर पालिका द्वारा करीब 25 लाख की लागत से शौचालय का निर्माण करवाया जा रहा है। काफी लंबे समय से ग्रामीणोंए यात्रियों एवं राहगीरों द्वारा इसकी मांग की जा रही थी। सबसे बड़ी समस्या यहां पर महिला शौचालय नहीं होने की थी। नगर पालिका द्वारा यहां पर महिलाए पुरूषों के लिए शौचालय का निर्माण कार्य शुरू करवाने से मांग पूरी हो गई है। यहां बस स्टॉप होने के चलते हिसारए हांसीए लितानी सहित अन्य गांव में जाने वाले यात्रियों की संख्या यहां काफी ज्यादा होती है। अमन, सुनील, राजबीर ने कहा कि शौचालय नहीं होने के चलते काफी परेशानी का सामना विशेषकर महिलाओं को करना पड़ रहा है। कोई भी महिलाओं के लिए शौचालय लाइन पार नहीं है। नगर पालिका द्वारा अब शौचालय का निर्माण करवाया जा रहा है। इसका काम शुरू होने से जो मांग की जा रही थी वो पूरी हुई है। नपा सचिव अशोक डांगी ने कहा कि दो शौचालय नगर पालिका द्वारा बनाने है। एक लाइन पार उचाना कलां में बन रहा है जिस पर करीब 25 लाख रुपए खर्च होंगे।

धुंध के मौसम को देखते रोडवेज प्रबंधन ने उठाया कदम

रोडवेज बसों में लगेंगी एंटी फोग सेफ्टी लाइट

बसों में रिफ्लेक्टर टेप भी लगवाई जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭| जींद

धुंध के मौसम को देखते रोडवेज बसों में एंटी फोग सेफ्टी लाइट लगवाए जाएंगी। इसके साथ-साथ बसों में रिफ्लेक्टर टेप भी लगवाई जाएंगी। सर्दी का मौसम शुरू हो गया है। अल सुबह और शाम के समय ठंड बढ़ जाती है। आने वाले दिनों में अल सुबह में धुंध छाए जाने की संभावना रहती है। धुंध में रोडवेज बसों को आवागमन में परेशानी नहीं हो, इसके लिए डिपो कर्मचारियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। जींद डिपो में लगभग 170 रोडवेज बस हैंए जिसमें किलोमीटर स्कीम की 37 बस शामिल हैं। इसमें 30 से अधिक बसों में एंटी फाग लाइट नहीं हैं। जींद से अल सुबह 20 से ज्यादा बस लंबे रूट पर चलती हैं। धुंध में ज्यादा दूर तक सड़क नहीं दिख पाती। एक बस में कम से कम 50 यात्री सफर करते हैं। कई बार सीट नहीं मिलने के कारण यात्री खड़े होकर भी सफर करते हैं। एंटी फाग सेफ्टी लाइट का प्रकाश ज्यादा दूर तक रहता है। इससे दूसरे वाहन को भी दिख जाता है। वहीं रिफ्लेक्टर वाहनों को धुंध में देखने में सहायक होते हैं। वहीं कुछ बसों में अभी प्राथमिक चिकित्सा सहायक किट में दवाइयां नहीं हैंए जिसमें दवाइयां रखी जाएंगी। वहीं यात्रियों की सुविधा के रोडवेज बसों की डीली खिड़कियों को भी ठीक किया जाएगा।

लगवाई जाएंगी एंटी फाग लाइट

जींद डिपो के महाप्रबंधक राहुल जैन ने बताया कि अगर किसी बस में रिफ्लेक्टर नही हैं तो उनमें रिफ्लेक्टर भी लगवाई जाएंगी। रोडवेज का प्रयास है कि यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा दी जा सके। धुंध के मौसम को देखते हुए रोडवेज बसों में एंटी फाग लाइट लगवाई जाएंगी। इसके अलावा ज्यादातर बसों में रिफ्लेक्टर भी लगे हुए हैं।

सुबह लंबे रूटों पर बस

जींद से अल सुबह लंबे रूटों पर बस निकलती हैं। इसमें सुबह चार बजकर 20 मिनट, सुबह पांच बजकर दस मिनट, छह बजकर 40 मिनट और सात बजकर 20 मिनट पर चंडीगढ़ के लिए बस निकलती हैं। इसके अलावा पांच बजकर दस मिनट पर दिल्ली, साढ़े पांच बजे गुरुग्राम, छह बजे दिल्ली, छह बजकर 20 मिनट पर दिल्ली, छह बजकर 50 मिनट पर मथुरा, सात बजे गुरुग्राम, पांच बजकर 40 मिनट पर पांवटा साहिब, पांच बजकर 50 मिनट पर हरिद्वार, साढ़े पांच बजे पटियाला व छह बजकर 20 मिनट पर हरिद्वार जैसे लंबे रूट पर बस निकलती हैं।

विदेश भेजने का झांसा देकर 19.60 लाख हड़पने का आरोपित गिरफ्तार

मोहाली में आरोपित चलाता था विदेश भेजने का कार्यालय

हरिभूमि न्यूज. जींद

पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने दो युवकों को वर्क वीजा पर विदेश भेजने का झांसा देकर 19.60 लाख हड़पने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मोरखी निवासी सत्यवान ने गत एक जून को दी शिकायत में बताया था कि उसका बेटा सावन कनाडा जाने का इच्छुक था। जिसके चलते उनका सम्पर्क मोहाली के रूद्राक्ष गुरप से हुआ। ग्रुप मे काम करने वालो का दावा था कि उनका गुरप 32 सालों से कार्य कर रहा है। काफी लोगों को विदेश ने नौकरी दिलवा चुका है। झांसें में आकर उसने कनाडा भेजने के लिए कहा। आरोपितों उससे 13 लाख 60 हजार रुपये वसूल लिए। बावजूद इसके आरोपितों ने उसे उसे कनाडा नही भेजा। आरोपितों ने उसके रुपयों को भी वापस नही लौटाया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने सत्यवान की शिकायत पर रूद्राक्ष ग्रुप के मालिक माहोली निवासी राकेश रिखी समेत सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। वहीं पिल्लूखेड़ा थाना में गत तीन मार्च को राकेश रिखी व साथियों के खिलाफ मालसरी खेड़ा के युवक को विदेश भेजने के नाम पर रुपये हडपने का मामला दर्ज हुआ था।

स्मॉल कैप फंड्स ने 26 फीसदी तक दिया रिटर्न

भर दी निवेशकों की झोली

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स हमेशा से हाई रिटर्न के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि इनके रिटर्न पर बाजार से जुड़े उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में पॉजिटिव रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी अधिक रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर जिन 13 स्मॉल कैप फंड्स के पिछले 10 साल के आंकड़े मौजूद हैं, उनमें से किसी के भी डायरेक्ट प्लान का सालाना रिटर्न (सीएजीआर) 14% से कम नहीं है। यही नहीं, इनमें से टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने लंपसम निवेश पर पिछले 10 साल में 19 से 21% फीसदी तक एनुअल रिटर्न दिया है।

- एसबीआई, एचडीएफसी समेत कई फंड्स का बेहतरीन प्रदर्शन
- 5 स्मॉल कैप फंड्स ने 7 गुना तक कर दी लंपसम की रकम
- 10 साल में एसआईपी पर 19 से 26 फीसदी तक रिटर्न दिया
- 1 लाख के लंपसम से 7 लाख तक का फंड तैयार हुआ
- इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी बेहतर तरीका

एसआईपी पर भी ऊंचा रिटर्न

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में लंपसम के साथ ही साथ सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी 19% से लेकर 26% तक एनुअलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। इस शानदार रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 10 साल में 7 लाख रुपये तक बना दिया है, जबकि 10 हजार रुपये की एसआईपी से 10 साल में 47.5 लाख रुपये तक का फंड जमा हुआ है।

ये टॉप 5 स्कीम

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम्स शामिल हैं।

लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट क्यों है बेहतर

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के पिछले आंकड़ों के तमाम विश्लेषण यही बताते हैं कि इनमें लंबी अवधि के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।हाल ही में आई ऐसी ही एक रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स का 10 साल की एसआईपी का मंथली रोलिंग रिटर्न (एक्सआरआरआर) 99% समय पॉजिटिव रहा है। यानी अगर इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी उसका बेहतर तरीका है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 21.51 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 7,01,649 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.96 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 42,63,065 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64 %

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 20.42 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,41,189 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.99 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 47,56,696 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.71 %

एक्सिस स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.91 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,14,545 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.01 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,35,386 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.57%

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.54 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,95,844 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,17,373 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.68%

एसबीआई स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,90,878 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 20.13%%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 34,65,264 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.76%

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट

ऊपर दी गई सभी स्कीम समेत तमाम स्मॉल कैप फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक रिस्क की रेटिंग दी जाती है। अलग-अलग मार्केट कैप पर आधारित म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप को मिड कैप और लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा रिस्की माना जाता है। यानी स्मॉल कैप फंड हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में आते हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए इनमें निवेश के बारे में कोई फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।

क्या है स्मॉल कैप फंड्स

स्मॉल कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। इन कंपनियों की मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होती है, लेकिन इनमें उच्च विकास क्षमता होती है। स्मॉल कैप फंड्स की विशेषताएं

1. **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे इनके शेयरों की कीमतें बढ़ सकती हैं।
2. **जोखिम:** स्मॉल कैप फंड्स में जोखिम अधिक होता है, क्योंकि छोटी कंपनियों की वित्तीय स्थिति अस्थिर हो सकती है।
3. **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स में निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
4. **लंबी अवधि के लिए निवेश:** स्मॉल कैप फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए, ताकि आप बाजार की अस्थिरता को सहन कर सकें।

स्मॉल कैप फंड्स के लाभ

1. **उच्च रिटर्न:** स्मॉल कैप फंड्स उच्च रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:**निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
3. **नई कंपनियों में निवेश:** आपको नई व तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश का अवसर मिलता है।

एसआईपी का दमदार प्रदर्शन

5 म्यूचुअल फंड ने दिया 20% से ज्यादा रिटर्न

279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 ने पॉजिटिव रिटर्न दिया

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के कमाया बढ़िया मुनाफा

बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली से लेकर अब तक 279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी इनमें निवेश करने वाले निवेशकों को मुनाफा हुआ। वहीं, सिर्फ तीन फंड्स ऐसे रहे जिन्होंने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया। सबसे खास बात यह है कि 10 ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं जिन्होंने एसआईपी यानी एक तय रकम हर महीने निवेश करने वालों को 20% से भी ज्यादा का सालाना रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर अब तक एक साल में कई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंडों के बारे में जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकते हैं।

ग्रो मल्टीकैप फंड

इस लिस्ट में सबसे ऊपर ग्रो मल्टीकैप फंड का नाम है। इसने एसआईपी निवेश पर सबसे ज्यादा करीब 26% रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आपने इस फंड में हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो पिछली दिवाली से अब तक आपके निवेश की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये हो जाती। यानी आपके लगाए हुए पैसों से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड ने भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। इसने इसी अवधि में 24.69% का शानदार दिया। मिडकैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं जिनका मार्केट कैप मीडियम होता है यानी वे बहुत बड़ी भी नहीं होतीं और बहुत छोटी भी नहीं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के प्रकार

- **लार्ज कैप फंड्स :** ये फंड्स बड़ी मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मिड कैप फंड्स :** ये फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **स्मॉल कैप फंड्स :** ये फंड्स छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मल्टीकैप फंड्स :** ये फंड्स विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **फोकस्ड फंड्स :** ये फंड्स सीमित संख्या में शेयरों में निवेश करते हैं।
- **सेक्टोरल फंड्स :** ये फंड्स विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लाभ

- **विविधीकरण :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
- **पेशेवर प्रबंधन :** फंड मैनेजर द्वारा प्रबंधन किया जाता है, जो निवेश के निर्णय लेते हैं।
- **लिक्विडिटी :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश आसानी से निकाला जा सकता है।
- **कर लाभ :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर कर लाभ उपलब्ध हो सकता है।

निवेश से पहले विचार करने योग्य बातें

- **जोखिम सहनशक्ति :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में जोखिम होता है, इसलिए निवेश से पहले अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें।
- **निवेश अवधि :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए।
- **विविधीकरण :** अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के फंड्स में निवेश करें।

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड और आईसीआईसीआई प्रू फ्लेक्सीकैप फंड ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया। इन्होंने क्रमश 23.82% और 23.22% का एक्सआईआरआर दिया। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह होती है कि फंड मैनेजर किसी भी साइज की कंपनी में निवेश करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, चाहे वह लार्ज-कैप हो, मिड-कैप हो या स्मॉल-कैप।

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने 22.33% का एक्सआईआरआर दिया। इस फंड में अगर किसी ने हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो आज उसके निवेश की कीमत लगभग 1.33 लाख रुपये हो जाती। यह दिखाता है कि एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में कैसे अच्छी खासी रकम जमा की जा सकती है।

कोटक फोकस्ड फंड

कोटक फोकस्ड फंड ने भी 22.06% का एक्सआईआरआर दर्ज किया। फोकस्ड फंड्स में फंड मैनेजर कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में ही निवेश करते हैं, जिससे उनका फोकस बना रहता है। इनके अलावा मीरा एसेट मिडकैप फंड ने 20.55% का एक्सआईआरआर दिया। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के दो फंड्स ने भी 20% के आंकड़े को पार किया।

निवेश की ऐसे प्लानिंग करेंगे तो भविष्य में कभी नहीं होगी पैसों की टेंशन

उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, 20 में रिस्क 30 में बैलेंस और 40 साल में ग्रोथ जरूरी

उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है

20 साल की उम्र रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती

30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या अपनी निवेश यात्रा करना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य, परिवार, इनकम और बच्चों की की स्थित को देखकर ही निवेश यात्रा शुरू करें। बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश करेंगे तो भविष्य में आसानी होगी और आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। कहते हैं उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है। 20 साल की उम्र में जहां रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती है, वहीं 30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है। अगर आप उम्र के हिसाब से सही फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं, तो न सिर्फ रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से भी दूर रह सकते हैं। आज के वक्त में फाइनेंशियल सिक्योरिटी सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक आदत बननी चाहिए। ताकि आर्थिक रूप से परेशान न हों और भविष्य हर तरह से बढ़िया रहे। हम सब मेहनत तो करते हैं, लेकिन कमाई का सही इस्तेमाल तभी होता है जब उसके पीछे एक सटीक फाइनेंशियल प्लान हो। बहुत से लोग कहते हैं कि पैसे बचाने की शुरुआत बाद में करेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना मजबूत होगा आपका फ्यूचर हर दशक अपने साथ नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आता है। 20 साल की उम्र में में जहां रिस्क लेने का समय होता है, वहीं 30 साल की उम्र में में जिम्मेदारियों और इन्वेस्टमेंट में बैलेंस बनाना जरूरी होता है। साल की उम्र में आते-आते सेफ्टी और ग्रोथ पर फोकस करना समझदारी बन जाती है। अगर आप उम्र के हिसाब से फाइनेंशियल फैसले लेते हैं, तो न सिर्फ एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से आजादी भी पा सकते हैं।

बजट बनाना सीखें

अपनी कमाई और खर्च का हिसाब रखें। 80/20 का नियम अपनाएं यानी 80% खर्च और 20% बचत या निवेश। इससे आपको अपने पैसों का फ्लो समझ आएगा और आप बेवजह खर्चों को कंट्रोल कर पाएंगे।

इमरजेंसी फंड बनाएं

हर महीने के खर्च का 3 से 6 महीने तक का फंड अलग रखें। जैसे अगर आपका खर्च 25,000 रुपये महीना है, तो कम से कम 75,000-1,50,000 रुपये का इमरजेंसी फंड जरूर होना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी के समय यह काम आ सके और आपको किसी के मुह की ओर न देखना पड़े।

इंश्योरेंस लेना न भूलें

कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस दोनों लें, ताकि मेडिकल और लाइफ रिस्क से सुरक्षा बनी रहे। कोई भी परेशानी आने पर परिवार पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

जल्दी निवेश शुरू करें

कम्पाउंडिंग की ताकत का फायदा तभी मिलता है जब शुरुआत जल्दी की जाए। एसआई और पीपीएफ जैसी स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश सुरक्षित है और महंगाई को मात देना वा रिटर्न भी मिलता है।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

30 साल की उम्र जिम्मेदारियों व निवेश में बैलेंस का समय

इस दशक में शादी, बच्चों की पढ़ाई और घर की प्लानिंग जैसी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में बैलेंस बनाना जरूरी हो जाता है।

फाइनेंशियल गोल्स अपडेट करें

बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों को री-इवैल्यूएट करें। हर 2 साल में अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें।

एसआईपी बढ़ाते रहें

सैलरी बढ़ने के साथ हर साल अपनी एसआईपीमें 10-15% इजाफा करें. कोशिश करें कि इनकम का 30-40% निवेश में लगाएं।

एसेट एलोकेशन पर ध्यान दें

40% इक्विटी, 40% डेट और 20% गोल्ड या पीपीएफ जैसे सुरक्षित निवेश रखें। इससे रिस्क और रिटर्न में सही संतुलन बना रहेगा।

एनपीएस में निवेश करें

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) टैक्स छूट देता है और रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार करता है।

कर्ज चुकाने की योजना बनाएं

अगर कोई लोन है, खासकर हाई इंटरेस्ट वाला, तो उसे पहले खत्म करें। ईएमआई के बोझ को घटाना फाइनेंशियल फ्रीडम की दिशा में बड़ा कदम है।

40 साल की उम्रः ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करने का दशक

अब आपकी कमाई चरम पर होती है, लेकिन रिटायरमेंट भी ज्यादा दूर नहीं होता। इसलिए रिस्क घटाकर ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करें।

रिटायरमेंट फंड का आकलन करें

महंगाई को ध्यान में रखते हुए अपने सालाना खर्च का 50 गुना फंड बनाना लक्ष्य रखें. उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो रिटायरमेंट कॉर्पस करीब 3 करोड़ रुपये होना चाहिए।

रिस्क कम करें, सुरक्षा बढ़ाएं

धीरे-धीरे इक्विटी से पैसा निकालकर डेट फंड्स, बॉन्ड्स या फिक्स्ड इनकम ऑप्शंस में डालें।

इंश्योरेंस कवरेज जांचें

सुनिश्चित करें कि हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त हैं।

कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखें

रिटायरमेंट से पहले घर या कार जैसे बड़े लोन पूरी तरह चुका दें। इससे आपकी भविष्य की इनकम पर बोझ नहीं पड़ेगा।

अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं हो सकेगी

अभी तक कई मामलों में अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता था

म्यूचुअल फंड निवेश प्रक्रिया में हो रहे हैं अहम बदलाव, निवेशकों पर क्या होगा असर

अब से पहले, म्यूचुअल फंड्स के निवेशकों को अपने निवेश के रिस्क पैरामीटर्स की जानकारी महीने के अंत में मिलती थी, यह जानकारी हर महीने के 15 दिन के भीतर उपलब्ध होगी।

एक बार फिर म्यूचुअल फंड प्रक्रिया में बदलाव हो रहे हैं। इसका निवेशकों पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। इसके कुछ फायदे होंगे तो कुछ नुकसान भी निवेशकों को भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप भी निवेशक हैं या निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो आप अलर्ट हो जाएं और सभी दस्तावेजों को जांचके के बाद ही निवेश यात्रा शुरू करें। बताया जा रहा है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा एक बार फिर म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया गया है। सेबी ने निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को हो रही दिक्कतों को कम करने के लिए नए म्यूचुअल फंड फोलियो में पहली बार किए जाने वाले निवेश (पहला ट्रांजैक्शन) की प्रक्रिया को एक जैसा (स्टैंडर्ड) बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने प्रस्ताव रखा है कि अब म्यूचुअल फंड अकाउंट केवल तब ही खोले जा सकेंगे जब निवेशक की केवाईसी प्रक्रिया पूरी तरह से सत्यापित हो जाएगी। हलांकि सेबी की तरफ से की जा रही इस कार्यवाही से निवेशकों को लाभ ही होगा और वे किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से बच सकेंगे।

निवेशकों के हितों के लिए जरूरी

असल में मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा समय समय पर म्यूचुअल फंड के नियमों में कुछ न कुछ बदलाव किया जाता है, ताकि निवेशकों का हित बना रहे, साथ ही एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को भी आसानी हो। बीते कुछ सालों में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का लोकप्रियता निवेशकों के बीच बहुत ज्यादा बढ़ी है। इंडस्ट्री का कुल एयूएम 75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। ऐसे में सेबी समय समय पर यह ध्यान रखती है कि नियमों में कुछ बदलाव किया जाए या रिफॉर्म किया जाए। बीते कुछ महीनों में सेबी ने कुछ बदलाव या रिफॉर्म किए हैं और आगे के लिए भी कुछ प्रपोजल है। ये निवेशकों को म्यूचुअल फंड में निवेश के दौरान बड़ी राहत देने का काम करेंगे। आप भी निवेश करने जा रहे हैं अपने दस्तावेजों को साथ रख लें।

सेबी म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया, सभी दस्तावेज देने होंगे

नए प्रपोजल के क्या हैं मायने

अब अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं की जा सकेगी। अभी की बात करें तो कई मामलों में निवेशक का अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता है, जिससे आगे चलकर उन्हें ट्रांजेक्शन, रिडेम्पशन और डिविडेंड पाने में परेशानी होती है। इसी को रोकने के लिए सेबी यह नया सिस्टम लागू करने जा रहा है। नया सिस्टम लागू होने के बाद पूरी पारदर्शिता के साथ लोग निवेश कर पाएंगे और अपने निवेश को सुरक्षित भी रख सकेंगे। जब एमएसी (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) को अकाउंट खोलने के लिए जरूरी दस्तावेज मिल जाएं और केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो जाए, तभी नया फोलियो बनाया जाएगा। केवाईसी पूरी होने के बाद, एएमसी कंपनी इन दस्तावेजों को केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी (केआर) को भेजेगी, जो केवाईसी की अंतिम जांच करेगी।

डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव

एएफएफआई और सेबी ने छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव किया है। निवेशकों को अपने निवेश के लिए अधिक स्पष्ट और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होगा। यह नियम निवेशकों को उनके निवेश के लिए सही और समय पर जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

कट-ऑफ टाइम में बदलाव

इस साल सेबी ने ओवरनाइट म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए कट-ऑफ टाइम में बदलाव किया है। 1 जून 2025 से ऑफलाइन लेनदेन का समय दोपहर 3 बजे तक हो गया है। ऑनलाइन लेनदेन का समय शाम 7 बजे तक है। इन समयों के बाद किए गए लेनदेन अगले कारोबारी दिन प्रोसेस होंगे, जिससे एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) बदल सकती है। बदलाव प्लेजिंग (गिरवी रखने) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए किया गया है।

एनएफओ को लेकर क्या बदलाव

एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) से जुटाए गए पैसों को तय समय में निवेश करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो निवेशक बिना एग्जिट लोड दिए अपना पैसा निकाल सकते हैं। यह नियम एएमसी को जरूरत से ज्यादा पैसा जुटाने से रोकेगा और सही जगह निवेश सुनिश्चित करेगा। इसके लिए 30 दिन का समय निर्धारित है।

स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे

म्यूचुअल फंड स्कीम्स को स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे, ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिति का सही अंदाजा हो सके। एएमसी कर्मचारियों की सैलरी का कुछ हिस्सा म्यूचुअल फंड स्कीम्स में लगाया जाएगा। कितना पैसा और किन स्कीम्स में निवेश होगा, यह उनकी भूमिका पर निर्भर करेगा। इससे कर्मचारियों और निवेशकों का हित एक जैसा होगा।

खबर संक्षेप

श्याम महोत्सव में बाबा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

जींद। लाडले श्याम के सेवा समिति जींद द्वारा बनखंड महादेव हांसी रोड स्थित प्रांगण में भव्य श्याम महोत्सव एवं संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ किया गया। मुख्यअतिथि के रूप में विस के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के प्रतिनिधि राजन चिल्लाना, अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार, आप की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष डा. रजनीश मौजूद रहे।

किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन तत्पर

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि जिला प्रशासन किसानों के हितों की सुरक्षा, पारदर्शी खरीद व्यवस्था और सुविधाओं के सुचारू प्रबंधन के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। धान खरीद सीजन के दौरान मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि किसी भी किसान को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वॉकथॉन रैली का आयोजन किया

सीवन। राजकीय वमावि, खेड़ी गुलाम अली में पावर ग्रिड ऑफ इंडिया, ब्रांच खानपुर के उपमहाप्रबंधक मुनीश गुप्ता के नेतृत्व में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थी, शिक्षाकर्मियों तथा पावर ग्रिड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

महिला संकीर्तन मंडल ने मनाया श्याम जन्मोत्सव

सीवन। बाबा श्याम के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर धौला दरवाजा सीवन में महिला संकीर्तन मंडल की ओर से एक भव्य भजन संध्या एवं संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका चेयरपर्सन हेमलता सैनी ने बाबा श्याम की ज्योति प्रज्वलित कर किया। भजन गायक सोमप्रकाश सैनी ने खाटू वाले श्याम तेरी महिमा अपरंपार, श्याम तेरी बंसी बुलावे रे जैसे एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी, जिन पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते और नाचते नजर आए।

हरियाणा दिवस पर संध्या हिंदी व्याकरण का विमोचन

नरवाना। मानव मित्र मंडल व प्रगतिशील समाज के तत्वाधान में हरियाणा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाखा सचिव नरेश वत्स ने बताया कि कार्यक्रम का आरंभ वंदना और पाखी की सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात सुमित गर्ग ने हरियाणा के इतिहास और विशेषताओं को रेखांकित किया।

विकास पुस्तिका पर जिला स्तरीय परीक्षा का आयोजन

जींद। हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के तत्वावधान में लॉर्ड शिवा मॉडल स्कूल में वैज्ञानिक चेतना का विकास पुस्तिका पर आधारित जिला स्तरीय लिखित परीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य देश के वैज्ञानिकों, शहीदों, समाज सुधारकों की जीवनी व ऐतिहासिक घटनाओं की जानकारी के अलावा छात्रों में तर्क, वितर्क, कौशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना है।

चेयरमैन व उप चेयरमैन ने पदभार ग्रहण किया

राजौद। राजौंद मार्केट कमेटी कार्यालय में मार्केट कमेटी के चेयरमैन व उप चेयरमैन ने सादगी समारोह में अपना पदभार ग्रहण किया। इस दौरान कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कुछ दिन पूर्व भारतीय जनता पार्टी द्वारा नियुक्त किए गए राजौंद मार्केट कमेटी के चेयरमैन बलिंद्र रापड़िया व वाइस चेयरमैन राजेश राणा ने अपना पदभार ग्रहण किया।

राजकीय कॉलेज में वर्कशॉप आयोजित

जींद। राजकीय महाविद्यालय जींद में कंप्यूटर विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने की। वर्कशॉप का विषय जनेंटीव एआई इन एजूकेशन रिसर्च साईस बिहाइंड एआई एंड मशीन लर्निंग रहा।

एसएनसीयू (नवजात बच्चों का वार्ड) को शिफ्ट करने की तैयारी

नागरिक अस्पताल की पुरानी से नई बिल्डिंग में शिफ्ट होगा एसएनसीयू

छोटे बच्चों की ओपीडी नई बिल्डिंग हो रही यहीं आपरेशन

नागरिक अस्पताल में बच्चों के लिए 19 बैड का एसएनसीयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में नवजात बच्चों के वार्ड (एसएनसीयू) को शिफ्ट करने की योजना पर काम चल रहा है। इस समय यह वार्ड पुरानी बिल्डिंग में है। जिसे नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया जाएगा। सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो जल्द ही एसएनसीयू की सुविधा नई बिल्डिंग में मिलनी शुरू हो जाएगी। एनएनसीयू को नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने के पीछे उद्देश्य यह है कि यहीं जच्चा व बच्चा की जांच होती है। इसके अलावा आप्रेशन थिएटर भी नई बिल्डिंग में ही है। ऐसे में जन्म के समय नवजात को अगर पीलिया या अन्य किसी तरह की कोई समस्या आती है तो उसका उपचार नई बिल्डिंग में ही हे जाएगी। अस्पताल में उपलब्ध हैं यह सुविधाएं : जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में बच्चों के लिए 19 बैड का एसएनसीयू है। इसके अलावा आईसीयू की सुविधा भी उपलब्ध है। जिसमें नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल की जाती है। इसके साथ ही छोटे बच्चों को दी जाने वाली दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक हमेशा अलग से रखा जाता है। नई बिल्डिंग के नीचले ब्लॉक में छोटे बच्चों की जांच की जाती है। महिला ओपीडी को पुरानी बिल्डिंग से नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया जा चुका है। इसके साथ ही नेत्र जांच वार्ड को भी नीचे से प्रथम तल पर शिफ्ट किया गया है। महिलाओं को दी जाने वाली दवाइयों के लिए अलग से कमरा भी नई बिल्डिंग में बना दिया गया है। इस समय नई बिल्डिंग में ही महिलाओं की जांच, आप्रेशन व बच्चों की जांच हाती है। जबकि जन्म के बाद अगर बच्चे को कोई समस्या है तो उसे पुरानी बिल्डिंग में एसएनसीयू में लाया जाता है। ऐसे में बच्चे को हवा लगने का डर रहता है। अगर नई बिल्डिंग में ही एसएनसीयू बनता है तो बच्चे को यहीं एसएनसीयू में रखा जाएगा। फिलहाल नई बिल्डिंग के द्वितीय तल पर ब्लॉक तैयार करने का काम किया जा रहा है।

जींद। नागरिक अस्पताल की नई बिल्डिंग में बनाए जा रहे ब्लॉक। फोटो :हरिभूमि

शिफ्ट करने की योजना

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी व बाल रोग विशेषज्ञ डा. रघुबीर पूनिया ने बताया कि पुरानी बिल्डिंग से नई बिल्डिंग में एसएनसीयू वार्ड शिफ्ट करने की योजना है। फिलहाल ब्लॉक बनाए जाने का काम किया जा रहा है।

मोदी -शाह की जोड़ी ने भाजपा को राजनीति का सबसे मजबूत स्तंभ बनाया: अशोक गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी ने भाजपा को भारतीय राजनीति का सबसे मजबूत स्तंभ बना दिया है और भाजपा आज के समय की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। कहा कि विकास पुरुष मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए कार्य कर रही है। हरियाणा के हर जिले में नॉन स्टाप विकास कार्य हो रहे है और प्रदेश विकास की बुलंदियों को छू रहा है। अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि भाजपा एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण के लिए निरंतर सक्रिय है। पार्टी की कल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान विश्वशक्ति एवं विश्व गुरू के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो।

प्रदेश में हो रहा एक समान विकास

इसके साथ ही विश्व शांति तथा न्याययुक्त अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखे। गुर्जर ने कहा कि मोदी के नेतृत्व व भाजपा के राष्ट्रीयध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में भाजपा निरंतर सेवाभाव से राष्ट्रकल्याण की ओर अग्रसर है। भाजपा की ये 45 वर्षों की यात्रा राष्ट्रसेवा, राष्ट्रउत्थान व राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की यात्रा रही है और 2014 से पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा 7 दशकों से वंचित देश के करोड़ों गरीबों, किसानों, वंचितों और महिलाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति का साधन बनी है। कहा कि 2014 से पहले गरीबों के लिए दो वक्त की रोटी भी एक बड़ा संघर्ष था, लेकिन नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद भाजपा सरकार ने गरीबों को घर, बिजली, गैस, शौचालय, बैंक अकाउंट व स्वास्थ्य बीमा देने के साथ-साथ मुफ्त राशन देकर उनको एक सुरक्षित और सम्मानित जीवन देने का काम किया।

कैथल। भाजपा नेता राम प्रताप गुप्ता भाजपा नेताओं के साथ के काटते हुए।

रामप्रताप का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

कैथल। आज भाजपा जिला कार्यालय कपिल कमल कैथल में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मोदी मित्र रामप्रताप गुप्ता का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने की। भाजपा कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने मोमेंटो देकर रामप्रताप गुप्ता को शुभकामनाएं प्रेक्षित की। हरियाणा भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ने कहा कि रामप्रताप गुप्ता का राजनीतिक व सामाजिक जीवन सबके लिए आदर्श है। जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, हरियाणा वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष कैथल मुनीश कठवाड़, पूर्व मंत्री हरियाणा कमलेश ढाँडा, जिला परिषद चेयरमैन करमबीर कौल, नगर परिषद कैथल वाइस चेयरमैन सीमा वाल्मीकि, वरिष्ठ भाजपा नेता अमरजीत छाबड़ा, जिला महामंत्री भाजपा सुरेश संधू व मुनीष शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी हिमांशु गोयल एडवोकेट, जिला आई टी प्रमुख रविन्द्र धीमान, जिला उपाध्यक्ष भाजपा जंगीर सिसला आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने दिलाई नशा मुक्त समाज की शपथ

कैथल। नशा मुक्त भारत अभियान के 5वें वर्ष के उपलक्ष्य में हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत पुलिस अधीक्षक उपासना के कुशल निर्देशन में जिला कैथल पुलिस द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कड़ी में जिला पुलिस की विभिन्न टीमों ने गांवों, शैक्षणिक संस्थानों व सार्वजनिक स्थलों पर जाकर आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया। एसपी उपासना ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से बचाना और समाज में स्वच्छ, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। पुलिस विभाग द्वारा विभिन्न थाना व चौकियों के माध्यम से इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में चलाया जा रहा है, जिसमें स्कूली विद्यार्थियों, कॉलेज छात्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

सीवन नगर पालिका अब अतिक्रमण के खिलाफ सख्त

सीवन। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार नगर पालिका सीवन अब नगर में बढ़ते अतिक्रमण के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की तैयारी में है। नगर में मुख्य बाजार, गलियों तथा कैथल–पटियाला मार्ग पर दुकानों के आगे रखा गया सामान, ठेले, रेडी-पटरी और अन्य अवैध कब्जों के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही थी। नगर पालिका सचिव दीपक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि लंबे समय से नगर वासियों की ओर से शिकायतें मिल रही थीं कि बाजारों और मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। इसके चलते राहगीरों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य सड़क के संकरी हो जाने के कारण हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है और दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ गई हैं। बताया कि कई दुकानदार अपने प्रतिष्ठानों के सामने तक सामान फैलाकर बिक्री करते हैं, जिससे सड़क पर आवाजाही बाधित होती है।

100 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य की जांच

जुलाना। जुलाना की पुरानी अनाज मंडी में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर लगभग 100 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की । यह शिविर समाजिक संस्था जनता क्लीनिक और फिजियोथैरेपी सेंटर द्वारा लगाया गया था। जुलाना में आयोजित हुई निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में में मुख्यअतिथि भारत विकास परिषद शाखा के प्रधान मुकेश गोयल ने शिरकत। उन्होंने जनता क्लीनिक और फिजियोथैरेपी सेंटर की संचालक टीम डा. मंजीत फिजियोथैरेपिस्ट, डा. साहिल चहल सामान्य रोग विशेषज्ञ, डा. बिजेंद्र कुमार चर्म रोग विशेषज्ञ और योगेश शर्मा के कार्य की सराहना की। उन्होंने इस क्लीनिक के जरिये जुलाना क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की और इस सुविधा का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुकेश गोयल ने इस मौके पर कहाएस्वास्थ्य हर व्यक्ति का अधिकार है और हमें मिल कर समाज के सभी वर्गों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं।

जुलाना। लेबर शैड़ में हुई बैठक को संबोधित करते हुए।

प्रदर्शन में भाग लेने का लिया फैसला

जुलाना। जुलाना के लेबर शैड में सीटू किसान सभा व खेत मजदूर यूनियन, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा और रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की संयुक्त मोर्चा की एक बैठक संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता सीटू नेता सुभाष पांचाल ने की। इस मौके पर सीटू के जिला अध्यक्ष रमेश ने बताया कि गत 16 सितंबर को दिल्ली में तीनों संगठनों की राष्ट्रीय स्तर की संयुक्त कंवेशन हुई थी। जिसमें देशभर से हजारों मजदूरए किसानों व खेत मजदूरों ने हिस्सा लिया और पूरे देश में आगामी 26 नवंबर को जिला स्तर के संयुक्त प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कपूर ने बताया कि आज देश व प्रदेश के हालात मजदूर, किसानों के खिलाफ है और मौजूदा कारपोरेट परस्त बीजेपी सरकार द्वारा किसान, मजदूरों को लगातार नुक्सान पहुंचाया जा रहा है। जब से बीजेपी देश व प्रदेश कि सत्ता पर बैठी है मेहनतकश जनता को लूटने का काम किया है। जब किसान आंदोलन शुरू हुआ उसी वक्त ट्रेड यूनियनों की ऐतिहासिक हड़ताल हुई। किसान आंदोलन में किसान व मजदूरों की व्यापक एकता दिखाई दी।

एक दिवसीय कैंप का आयोजन

कैथल। जाट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एन एस एस यूनिटों द्वारा एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों व स्वयंसेविकाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय प्रांगण की सफाई की। मैनेजमेंट सदस्यों व प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने स्कूल परिसर में पौधारोपण किया। अध्यक्षता एनएसएस के जिला कोऑर्डिनेटर विजेंद्र सिंह ने की। एनएसएस यूनिट अधिकारी सुनील व पूनम ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। जाट हाई स्कूल सोसायटी के प्रधान राजकुमार बेनीवाल, उप प्रधान बलजिंदर बनवाला, महासचिव एडवोकेट रश्मि सिंह ढुल व कोषाध्यक्ष बलकार नैन इस कैंप के सफल आयोजन पर विद्यालय के एनएसएस अधिकारी व राष्ट्रीय स्वयंसेवकों को बधाई व आशीर्वाद दिया।

कैथल। कैंप में भाग लेते राष्ट्रीय स्वयंसेवकों व स्वयंसेविकाओं।

कलायत के प्राचीन कपिल मुनि धाम मार्ग पर निशान यात्रा निकालते श्रद्धालु

श्रद्धालुओं ने नंगे पैर निकाली में निशान यात्रा

कलायत। कलायत में नगर शनिवार को श्याम महोत्सव धूमधाम उपलक्ष्य में प्राचीन कपिल मुनि धाम से भव्य निशान यात्रा निकाली गई। इसमें भारी संख्या में महिलाओं, बड़े-बुजुर्गों, युवाओं व बच्चों ने हिस्सा लिया श्याम परिवार सदस्य नरेश गुप्ता और अनिल राठी ने बताया कि यात्रा सुबह 8 बजे शुरू हुई। श्रद्धालु निशान (झंडा) लेकर नंगे पैर चले और धार्मिक भजनों पर थिरकते चले। आयोजन के क्रम में बाबा श्याम का जन्मदिन मिलक केक काटकर मनाया गया। उपरांत इस करीब 31 किलो मिलक केक को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। श्रद्धालुओं ने बताया कि श्खाटू श्याम जी ने महाभारत में पांडवों की विजय के लिए स्वेच्छा से शीशदान किया था। इस दौरान मंदिरों में बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। भोग लगाए गए और भजन संध्या के साथ विशाल भंडारे का आयोजन भी हुआ।

कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए आयोजक।

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी व स्कूल स्टाफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

'हरियाणा दिवस' का भव्य आयोजन

राजौंद। राजौद के असंध रोड पर स्थित बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल में हरियाणा दिवस हर्षोल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, विरासत और इतिहास से परिचित करवाना था। स्कूल प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सभी को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दीं। कहा कि यह दिन हमें अपनी जड़ों से जुड़ने और राज्य के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न रंगारंग और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया छात्रों ने पारंपरिक हरियाणवी वेशभूषा में आकर्षक लोक नृत्य प्रस्तुत किए,जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा की मिट्टी की खुशबू और लोक कला का सुंदर संगम देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को समर्पित कविताएं सुनाईं। कुछ विद्यार्थियों ने जोशपूर्ण भाषणों के माध्यम से हरियाणा के इतिहास, शहीदों के योगदान और राज्य की प्रगति पर प्रकाश डाला।

किसी भी राष्ट्र के सांस्कृतिक विकास का मापदंड है वहां की कला : श्यामदत्त अत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कला एवं संस्कृति के विकास, उत्थान और संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत सोल एंड स्पिरिट आर्ट सोसाइटी ने वर्ष 2025 का कौशलश्री सम्मान अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मूर्तिकार प्रदीप कुमार को प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें अयोध्या राम मंदिर व राम दरबार निर्माण में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया। सम्मान अत्री चैरिटेबल फाउंडेशन जींद के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर श्री गुरुदयाल गौशाला ढाठरथ में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्यामदत्त अत्री और मेनका अत्री उपस्थित रहे। मुख्यअतिथियों द्वारा प्रदीप कुमार को स्मृति चिह्न, प्रशंसा पत्र, शॉल तथा पांच हजार की नगद सम्मान राशि प्रदान की गई। समारोह के दौरान श्यामदत्त अत्री ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी राष्ट्र के सांस्कृतिक विकास का सबसे बड़ा मापदंड उसकी कला और कलाकार होते हैं। कलाकार समाज का दर्पण होते हैं, जो सभ्यता और संस्कारों की दिशा तय करते हैं। सोल एंड स्पिरिट आर्ट सोसाइटी के अध्यक्ष दीपक ने बताया कि सोसायटी समय-समय पर कलाश्री और कौशल श्री जैसे सम्मानों के माध्यम से उत्कृष्ट कलाकारों को प्रोत्साहित करती है। इसके साथ ही कला के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती है।

कौशल श्री सम्मान से सम्मानित होते अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मूर्तिकार प्रदीप कुमार।

सँगरोली में रक्तदाता को सम्मानित करते मंडल सदस्य। फोटो :हरिभूमि

शिविर में 25 यूनिट रक्त एकत्रित

पुण्डरी। श्याम मित्र मंडल पूंडरी की ओर से बाबा श्याम के जन्मदिवस व देवउठनी एकादशी के उपलक्ष्य में गांव संगरौली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा जिला सचिव निधि मोहन, संगरौली के सरपंच जितेंद्र पुंडीर, डॉ. राजेश, डॉ. बलविंद्र मैहला व सुरेंद्र संगरौली विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर निधि मोहन और डॉ. बलविंद्र मैहला ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानवीय दान है, जिससे किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करना न केवल दूसरों की जिंदगी बचाने का माध्यम है, बल्कि यह अपने स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है।

मोतीलाल विद्यालय में मनाया गया हेलोवीन-डे

विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से मोहा सबका मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पाठ्यक्रम से हट कर बच्चों के उत्साह और मनोरंजन के लिए मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में हेलोवीन डे बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया । इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिसर खुशियों, रंगों और उमंगों से भर गया। इस दिन का आयोजन कक्षा पहली से पांचवी तक के विद्यार्थियों के लिए किया गया। जिसमें सभी छोटे-छोटे बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। सुबह का समय बहुत ही उत्साहपूर्ण था। विद्यालय के प्रांगण को रंग-बिरंगे गुब्बारों, पेपर कटिंग्स और विभिन्न आकृतियों से सजाया गया था। दीवारों पर मुस्कुराते हुए कद्दू, जादूगरनी की टोपी, चमगादड़ और चांद के आकार की सजावटें वातावरण को मनमोहक बना रही थी। विद्यालय का मंच हेलोवीन डे के लिए विशेष रूप से सजाया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। प्रार्थना सभा में स्कूल प्राचार्य रविंद्र कुमार ने सभी विद्यार्थियों को इस विशेष दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि हेलोवीन डे पश्चिमी देशों का एक प्रसिद्ध उत्सव है जो हर वर्ष 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। त्यौहार बच्चों के बीच रचनात्मकताए कल्पनाशक्ति और उत्सवप्रियता को बढ़ाने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को केवल मनोरंजन देना नहीं है बल्कि उनमें आत्मविश्वास, मंच पर बोलने का साहस और टीमवर्क की भावना विकसित करना भी है।

जींद। हैलोविन पार्टी में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

हास्यपूर्ण पात्रों का अभिनय किया

हेलोवीन डे का सबसे आकर्षक भाग था वेशभूषा प्रतियोगिता। इस प्रतियोगिता में कक्षा पहली से पांचवी तक के बच्चों ने अलग-अलग तरह के परिधान पहन कर मंच पर अपनी प्रस्तुति दी। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने प्यारे-प्यारे भूत, जादूगरनी, कद्दू और परी के रूप में सजकर सबका दिल जीत लिया। कुछ विद्यार्थियों ने कुछ डरावने लेकिन हास्यपूर्ण पात्रों का अभिनय किया। उन्होंने घोस्ट विद अ हार्ट, फ्रैंड्ली विच और स्माइली मॉन्स्टर जैसे किरदारों से यह संदेश दिया कि डर भी अगर सकारात्मक रूप में लिया जाए तो वह मनोरंजन बन जाता है। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा हेलोवीन थीम पर आधारित एक शानदार नृत्य प्रस्तुति दी गई। नृत्य के दौरान मंच की लाइटें, संगीत और बच्चों की वेशभूषा ने वातावरण को जीवंत बना दिया। स्पूकी नाइट, ट्रिक ऑर ट्रीट और डोंट बी अफ्रेड जैसे गीतों पर बच्चे झूम उठे। कार्यक्रम में केवल नृत्य या अभिनय ही नही बल्कि कई मनोरंजक खेल और रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की गई। शिक्षकों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बच्चों को मार्गदर्शन दिया। वेशभूषा तैयार करने में मदद की और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया।

जींद। मां भगवती की उपासना करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

आत्मा का परमात्मा में रूपांतरण का मार्ग उपासना

जींद। आचार्य पवन शर्मा ने कहा कि उपासना-दुर्वासना को मिटाती है, चिंता, भय एवं घृणा की व्यथा को हटाती है, ईर्ष्या व तृष्णा की जलन को शांत करती है। आत्म शांति का मार्ग है उपासना। आचार्य पवन शर्मा देवोत्थान एकादशी की प्रातः शनिवार को माता वैष्णवी धाम में चल रहे कार्तिक महोत्सव में उपस्थित श्रद्धालुओं के समक्ष अपने संबोधन में कहे। भजन-कीर्तन द्वारा महिलाओं ने अपने प्रभु को खूब रिझाया। आचार्य ने कहा कि किसी व्यक्ति की उपासना सच्ची है अथवा नहीं इसका एक ही मापदंड है कि उपासना के फलस्वरूप साधक की अंतरात्मा में संतोष, सहनशीलता, प्रफुल्लता, शांति व सद्भावना का कितनी मात्रा में अवतरण हुआ है। यदि उपासना के बाद भी सद्गुणों का प्रवेश उसके जीवन में नहीं हो पाया व उसे दीन-हीन वृत्तियां घेरे हुए हैं तो समझ लेना कि वह व्यक्ति कितना ही पूजा-पाठ क्यों न करता हो, उपासना से अभी कोसों दूर है। आचार्य ने कहा कि पूजा पाठ करना अलग बात है व उपासना अलग है। अपनी कठिनाइयों को हल करने अथवा अपनी सुविधाओं को बढ़ाने की लालसा मात्र से जो प्राणी ईश्वर से प्रार्थना अथवा उनकी पूजा करते हैं वे उपासना के तत्व ज्ञान में अभी बहुत पीछे हैं।

खबर संक्षेप

जज पाराशर के सम्मान में स्वागत समारोह

कैथल। जिला बार एसोसिएशन की ओर से शनिवार को नवनियुक्त सेशन जज अजय पाराशर के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता सैशन जज अजय पाराशर ने की। सबसे पहले बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप शर्मा, उप प्रधान हेमराज वधवा, सचिव सचिन सिंघल, सहसचिव अमित रोहिला ने सभी जजों का फूलों से स्वागत किया। अपने संबोधन में नवनियुक्त सैशन जज ने कहा कि वे पहले भी कैथल में बतौर सीजेएम काम कर चुके हैं।

भाजपा की गारंटी की कोई वारंटी नहीः दीपेंद्र

जींद। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा दिवस के अवसर पर भाजपा सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना लागू कर एक बार फिर प्रदेश की महिलाओं के साथ बड़ा छल किया है। बीजेपी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया था कि प्रदेश की हर महिला को 2100 दिए जाएंगे लेकिन अब यह योजना सिर्फ पांच से सात लाख महिलाओं तक सीमित कर दी गई है। जब वादा हर महिला से किया था, तो अब शर्तें क्यों लगाई जा रही हैं। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा शनिवार को जींद में आयोजित विवाह समारोह में भाग लेने आए थे।

मानव श्रृंखला बना कर बनाया नंबर वन हरियाणा

उचाना। हरियाणा दिवस एमडीएन स्कूल अलीपुरा में विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बना कर नंबर वन हरियाणा बनाया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत कर हरियाणवी संस्कृति पर प्रकाश डाला। देशां में देश हरियाणा जित दूध दही का खाना, हरि की भूमि हरियाणा सहित विभिन्न गीतों पर सामूहिक डांस किया। स्कूल संचालक योगेश कुमार ने कहा कि हमारा हरियाणा खेलों, शिक्षा, कृषि हर मामले में आज नंबर वन पर है। विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बना कर नंबर वन हरियाणा बनाया।

खेल प्रतियोगिताओं से मनाया हरियाणा दिवस

राजौंद। हरियाणा के गौरवशाली स्थापना दिवस पर गौरव स्कूल रोहड़ा कि तरफ से राजीव गांधी खेल स्टेडियम में एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में नर्सरी से लेकर 12 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान स्कूल प्रधानाचार्य दर्शन सिंह मौण के नेतृत्व में आयोजित इन खेलों में नींबू रेस, बोरी रेस और थ्री लेग रिले रेस जैसे मनोरंजक खेलों के साथ-साथ ऊंची कूद, लंबी कूद, कबड्डी और कुश्ती जैसे पारंपरिक खेल व मनोरंजन, रस्साकशी जैसे खेल भी शामिल थे।

पाल गडरिया समाज की चौपाल में हुआ कार्यक्रम

पुण्डरी। गांव फतेहपुर में पाल गडरिया समाज की चौपाल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पार्षद एवं इनेलो के युवा जिला अध्यक्ष पंडित देवेंद्र पुजारी ने शिरकत की। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान गुरनाम पाल ने की। प्रधान ने अपनी धर्मशाला में मांग रखते हुए कहा कि धर्मशाला में एक बड़ा हॉल निर्माण और लाइब्रेरी की स्थापना की आवश्यकता है।

सीनियर बास्केटबॉल चैम्पियनशिप आयोजित

जींद। जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा दो दिवसीय जिला सीनियर बास्केटबॉल (महिला एवं पुरुष) चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन छोटू राम किसान कॉलेज में हुआ। एसोसिएशन के प्रधान सीआर कालेज के सहायक प्रोफेसर डा. राजपाल ढांडा ने बताया कि चैम्पियनशिप में जिला जींद की महिला वर्ग में पांच तथा पुरुष वर्ग में आठ टीमों ने भाग लिया। इस चैंपियनशिप के मुख्य अतिथि जाट धर्मार्थ सभा के प्रधान फूल कुमार मोर तथा विशिष्ट अतिथि साहिल सिवाच ने शिरकत की तथा विजेता खिलाडिय़ों को पुरस्कार दिए।

सीआरएसयू में हरियाणा दिवस पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन

हरियाणा दिवस पर हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों ने मोहा मन

विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा की भूमिका होगी अग्रणीय : डॉ. कृष्ण मिड्ढा

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा व कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए बच्चे व कार्यक्रम में टीमों को सम्मानित करते हुए डीसी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला प्रशासन की ओर से चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ डिप्टी स्पीकर डा. मिड्ढा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर हरियाणा दिवस के उपलक्ष में पंचकूला में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव एवं प्रदर्शनी का लाइव टेलीकास्ट भी किया गया। लाइव प्रसारण के माध्यम से राज्यपाल के संबोधन, प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण उपस्थित लोगों को दिखाया गया। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा आज अपनी तरक्कीए उपलब्धियों और विकास की कहानी गर्व से बयान कर रहा है। 1966 में मात्र छह करोड़ रुपये के बजट से आरंभ हुआ हरियाणा आज निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश के गठन के बाद सभी मुख्यमंत्रियों ने अपने-अपने कार्यकाल में हरियाणा को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य किया है। परंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद विकास की गति और अधिक तीव्र हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में अनेक अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। खरखोदा में मारुति प्लांट की स्थापना, 10 नई आईएमटी की घोषणा, 24 फसलों पर एमएसपी देने का वायदा पूरा करना और लाड़ो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 की आर्थिक सहायता जैसी योजनाएं इसका उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि वृद्धजन पेंशन को 3200 मासिक तक बढ़ा कर सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ किया गया है। वहीं डायल 112 सेवा, स्वामित्व योजना और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया जैसे कदमों ने शासन में जनता के विश्वास को और मजबूत किया है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा पारदर्शिता के सिद्धांत पर नौकरी देने की शुरुआत की गई थी। जिसका परिणाम आज हर युवा को निष्पक्ष अवसर के रूप में मिल रहा है।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह, एसडीएम सत्यवान मान, डीएमसी सुरेंद्र दून, सीटीएम मोनिका रानी, विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, कॉलेज एवं स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षकए विद्यार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम

कैथल । आज भाजपा जिला कार्यालय कपिल कमल कैथल में भाजपा कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में हरियाणा की संस्कृति, लोक परंपरा और विकास यात्रा को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि हरियाणा अपने गौरवशाली इतिहास, मेहनतकश किसानों और वीर जवानों के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा ने विकास के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। ज्योति सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" की नीति पर काम कर रही है, और हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। वरिष्ठ भाजपा नेता हरियाणा अशोक गुर्जर ने कहा कि हरियाणा दिवस हमारी संस्कृति, एकता और परिश्रम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान उसकी मिट्टी की खुशबू और देशभक्ति से जुड़ी परंपराओं में है। गुर्जर ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

वेदांता किड्स स्कूल में हरियाणा दिवस मनाया

नरवाना । वेदांता किड्स इंटरनैशनल स्कूल बसंत विहार में हरियाणा स्थापना दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिसर को हरियाणा की संस्कृतिए परंपरा और लोक रंगों से सजाया गया। हर ओर हरियाणवी संस्कृति की झलक दिखाई दे रही थी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर प्रदीप जैन एवं प्रधानाचार्या रश्मि जैन द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने हरियाणा के इतिहास और संस्कृति पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कक्षा के जी 2 के विद्यार्थियों ने हरियाणवी लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं कक्षा पहली व दूसरी के छात्रों द्वारा प्रस्तुत श्सेव वाटरश विषय पर आधारित नाटक ने सभी को प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने कविताएंए भाषण और गीतों के माध्यम से हरियाणा के वीर सपूतोंए किसानों और खिलाडियों की गौरवशाली परंपरा को जीवंत कर दिया।

डीएवी स्कूल में भव्य कार्यक्रम

पुण्डरी । डीएवी पब्लिक स्कूल पूंडरी में प्राचार्या साधना बख्शी के दिशा-निर्देशन में हरियाणा दिवस और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति, एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद छात्रों ने भाषण, कविता, एकल नृत्य, समूह नृत्य और समूहगान के जरिए हरियाणा की समृद्ध परंपरा और संस्कृति की शानदार झलक पेश की। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का मन मोह लिया और विद्यालय परिसर तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने अपने भाषण और कविताओं के माध्यम से बताया कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा राज्य का गठन हुआ था और तब से यह राज्य कृषि, खेल और सेना के क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा रहा है। हरियाणा की भूमि को गीता की जन्मस्थली बताते हुए विद्यार्थियों ने बताया कि यहीं भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्मयोग का उपदेश देकर विश्व को जीवन का सच्चा मार्ग दिखाया था। कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को भी याद किया गया। विद्यार्थियों ने बताया कि लौहपुरुष पटेल ने देश की 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत की एकता को सशक्त नींव प्रदान की।

महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम

नरवाना। महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के सभी बच्चों व अध्यापिकाओं ने हरियाणा दिवस को मिलकर मनाया। प्रधानाचार्या सुनीता नारंग ने हरियाणा दिवस पर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा 1 नवम्बरए 1966 को पूर्व पंजाब राज्य से अलग एक नया राज्य बनाया था। विद्यालय में रंगारंग प्रोग्राम में बच्चों ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणवी नृत्य और ऑपरेशन सिंदूर पर कलाकृतियां दिखाई। हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में भावनाए प्रियंकाए बबीताए अंजली आदि अध्यापिकाओं ने रंगारंग प्रोग्राम बच्चों को तैयार करवाया। इस अवसर पर प्रधान भगवानदासए प्रबंधक योगेश कुमारए कोषाध्यक्ष योगेंद्र पालए आर्य समाज के प्रधान इंद्रजीत आर्यए मंत्री विजय कुमारए कोषाध्यक्ष अश्वनी आर्यए आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधान अनिल कुमारए प्रबंधक महावीर आर्यए कोषाध्यक्ष योगेंद्र पालए आर्य कन्या के प्रधान रमेशए प्रबंधक अनुराग आर्यए कोषाध्यक्ष उमेश कुमारए भारत अग्रवाल आदि ने बधाई दी।

वेदा इंटरनेशनल स्कूल में विभिन्न कार्यक्रम किए प्रस्तुत

नरवाना । वेदा इंटरनैशनल स्कूल में हरियाणा दिवस के अवसर पर एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने हरियाणवी संस्कृति और परंपराओं को दर्शाते हुए विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्रों ने हरियाणवी नृत्यए संगीत और कविता के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर छात्रों ने हरियाणा के इतिहासए संस्कृति और विकास पर भी चर्चा की। स्कूल की चेयरपर्सन मंजू मित्तल एवं प्रधानाचार्या सिल्की चोपड़ा ने छात्रों को हरियाणा दिवस के महत्व और राज्य की संस्कृति को संरक्षित करने के बारे में बताया तथा समस्त विद्यालय परिवार को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

नरवाना। वेदा इंटरनैशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चे चेयरपर्सन मंजू मित्तल के साथ। फोटो : हरिभूमि

अमरजीत ने बिहार चुनाव को लेकर साथियों के साथ सार्थक संवाद किया

- बोले : विकसित बिहार-विकसित भारत,मज़बूत भारत : के लिए एनडीए सरकार जरूरी है विकास जारी रखने के लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

हरियाणा प्रदेश राइस मिलर एंड डीलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने आज बिहार के साथियों के साथ कई जगह सार्थक संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में एनडीए को पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने की आवश्यकता है, ताकि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार किया जा सके। नई अनाज मंडी में अमरजीत छाबड़ा ने बैठक में कहा कि भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियां एवं विकास-मॉडल सफल सिद्ध हुए हैं और वे बिहार के लोगों के समक्ष स्पष्ट विकल्प प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने उपस्थित साथियों को अपील कि बिहार में एनडीए के पक्ष में मतदान करें तथा विकास की इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में योगदान दें।

कैथल। अमरजीत छाबड़ा, हरयाणा राइस मिलर-डीलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राइस मिलों में पूर्वांचल साथियों से सवाद करते हुए।

जेबीएम ग्लोबल स्कूल में निबंध प्रतियोगिता आयोजित

जुलाना । जुलाना क्षेत्र के गांव बुढ़ाखेड़ा के जेबीएम स्कूल में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा एक हरियाणवी एक विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने हरियाणा के इतिहास, संस्कृति वेशभूषा एवं रहन-सहन पर अपने विचार सांझा किए। जेबीएम स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ संस्था की चेयरपर्सन बिमला लाठर ने किया। उन्होंने बताया की हरियाणा एक समृद्ध एवं संस्कृतिपूर्ण प्रदेश हैं और इसकी माटी पर हमें गर्व है। बिमला लाठर ने कहा कि स्कूल में बच्चों में सामान्य ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए समय समय पर इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं ताकि बच्चों को कुछ नया सीखने को मिले। वहीं संस्था के प्रावार्य बलजीत मलिक ने विद्यार्थियों को हरियाणा की कला संस्कृति एवं देश की राजनीति में हरियाणा के महान पुरुषों के विशेष योगदान पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

जुलाना। जेबीएम स्कूल में आयोजित प्रतियोगिा में निबंध लिखते हुए स्कूली बच्चें और निरीक्षण करती हुई अध्यापिका।

एनएसएस इकाई द्वारा एकदिवसीय शिविर का आयोजन

सरदार पटेल के जीवन, राष्ट्र की एकता में उनके प्रयासों पर प्रकाश डाला

स्वयंसेवकों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविता-पाठ प्रस्तुत किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

ढांड। विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए प्राध्यापक। *फोटो : हरिभूमि*

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज, कौल (कैथल) में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की संयोजिका डॉ. नैंसी गुलाटी के नेतृत्व में एकता में विविधता थीम पर एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के निर्देशन और कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. कुसुम के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ डॉ. कुसुम के प्रेरणादायक उद्घाटन भाषण से हुआ। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, योगदान और राष्ट्र की एकता में उनके अद्वितीय प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाजसेवा की भावना से कार्य करने का आह्वान किया। इसके उपरांत एनएसएस स्वयंसेवकों ने "एकता में विविधता" विषय पर सामूहिक प्रतिज्ञा लेते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के अगले चरण में स्वयंसेवकों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत कविता-पाठ प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने सभी को भावविभोर कर दिया।

पटेल के जीवन से प्रेरणा लें

यह आयोजन इतिहास विभाग के सहयोग से सम्पन्न हुआ, जिसकी संयोजिका डॉ. पुष्पा थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में एकता, भाईचारा और सद्भावना का संदेश फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों ने "एकता में विविधता विषय पर लघु नाटिकाएँ भी प्रस्तुत कीं, जिनसे राष्ट्रीय एकजुटता का सशक्त संदेश प्रसारित हुआ। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया। इस अवसर पर लॉन, गलियारों और परिसर के अन्य स्थलों की सफाई कर स्वच्छ परिसर, सुंदर परिसर" का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और समर्पण भाव से इसमें भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डॉ. विशम्बर दास के प्रेरणादायक उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने सभी स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।इस एकदिवसीय शिविर के सफल संचालन में डॉ. संदीप कुमार का विशेष योगदान रहा। साथ ही सुरेश कुमार और राहुल ने भी आयोजन के समन्वय एवं सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों ने देशभक्ति, एकता और स्वच्छता जैसे मूल्यों को आत्मसात करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

आर्य स्कूल में हरियाणा दिवस और पटेल जयंती पर हुआ कार्यक्रम

नरवाना। आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हरियाणा दिवस और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों ने भाग लिया। स्कूल के प्राचार्य रघु भूषण लाल ने वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों के साथ मिलकर उन्हें नमन किया। विद्यार्थियों को वल्लभ भाई पटेल के जीवन और कार्यों की जानकारी देने के लिए कक्षा ग्यारहवीं के छात्र विक्रम और आशी व कक्षा बारहवीं के छात्र एनी ने उन्हें आलेख पढ़कर सुनाए। प्राचार्य रघु भूषण लाल ने विद्यार्थियों को बताया कि वल्लभ भाई पटेल को भारत का लौह पुरुष इसलिए कहा जाता है।

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

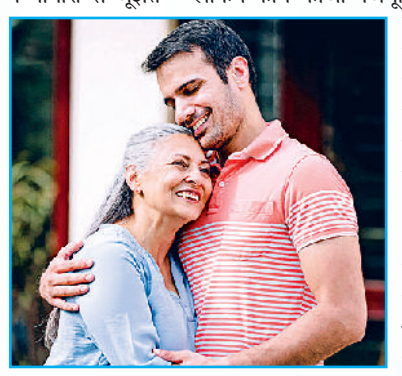

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन,
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

इंडियन पैसिफिक एक्सप्रेस

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, यह ट्रेन आपको दुनिया की सबसे यादगार ट्रेन यात्रा के रूप में दो महासागरों को पार करवाती है। सिडनी से पर्थ तक का 4352 किमी. लंबा यह रेल मार्ग आपको अनूठे लोक की यात्रा का अनुभव देता है। विशाल ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को पार करते हुए आप यहां के दिलकश नजारे देखेंगे तो मानो हिप्नोटाइज हो जाएंगे। कई जगह तो आपको वन्य जीवन की झांकी भी देखने को मिलेगी। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए कई क्लास के कोच हैं, जैसे गोल्ड सर्विस के तहत स्लीपर केबिन। आर रेड सर्विस के तहत डे नाइटर सीट। स्लीपर केबिन में आप तमाम सुविधाओं से सुसज्जित सिंगल या ट्विन स्लीपर केबिन ले सकते हैं और स्वादिष्ट ऑस्ट्रेलियन भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं। जबकि आर रेड सर्विस के तहत डेनाइटर सीट दी जाएगी, जिस पर सोने की सुविधा भले ही न हो पर आपको आरामदायक तरीके से बैठने की सुविधा जरूर मिलती है। यहां पर्याप्त लेगस्पेस है, कोहनी टिकाने के लिए आरामदायक हत्थे हैं, वीडियो देखने की सुविधा है। इन डिब्बों में भी स्नैक्स, कॉफी, लंच, डिनर सब कुछ उपलब्ध कराया जाता है। k

रोचक
शिखर चंद जैन

रेल यात्राएं तो आपने भी जरूर की होंगी। लेकिन देश-दुनिया में कुछ रेलगाड़ियां ऐसी हैं, जो हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। दुनिया की सबसे लंबी दूरियां तय करने वाली इन रेलगाड़ियों से यात्रा का अनुभव बेहद अनोखा और मजेदार होता है। इनमें से कुछ लंबी रेल यात्राओं पर एक नजर।

सबसे लंबी दूरी तय करने वाली अनोखी-शानदार रेल गाड़ियां

ट्रांस-साइबेरियन एक्सप्रेस

दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली यात्री ट्रेन है, ट्रांस साइबेरियन एक्सप्रेस। मॉस्को से व्लाडीवोस्टक तक फैली 9288 किमी. की पटरियों पर सरपट दौड़ती यह ट्रेन आपको वाकई एक यादगार यात्रा का अनुभव देती है। 77 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली इस ट्रेन में बिताए करीब 146 घंटे (करीब 6 दिन) आप शायद ही अपनी जिंदगी में कभी भुला पाएं, क्योंकि इन 6 दिनों में आप कभी पहाड़ों के बीच से गुजरेंगे, तो कभी हरी घास से भरे मैदानों से, कभी यह ट्रेन आपको रेगिस्तान के दृश्य दिखाएगी, तो कभी हरे भरे बियाबान जंगल के बीच से ले जाएगी। k

झिंगू हाइ स्पीड रेल

आज की तारीख में अगर लंबी दूरी तय करने वाली सबसे तीव्र गति वाली यात्री रेगलाड़ी का जिक्र होता है, तो उनमें झिंगू हाइ स्पीड रेल सबसे ऊपर है। यह ट्रेन बीजिंग से शंघाई की 1303 किमी. की यात्रा मात्र 5 घंटे में तय कर लेती है। इसकी गति 300 किमी. प्रतिघंटे तक हो सकती है। k

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा विवेक एक्सप्रेस तय करती है। यह 9 राज्यों से होकर गुजरती है। यह असम के डिब्रूगढ़ से तमिलनाडु के प्रसिद्ध स्थल कन्याकुमारी तक चलती है। यह रेलमार्ग लगभग 4,273 किलोमीटर लंबा है। इस सफर को तय करने में लगभग 80 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा गया है। अपने इस सफर में यह ट्रेन लगभग 55 स्टेशनों पर रुकती है। k

द ब्लू ट्रेन

दक्षिण अफ्रीका की मशहूर ब्लू ट्रेन प्रीटोरिया से केपटाउन के बीच 1600 किमी. की यात्रा तय करती है। सच कहें, तो यह ट्रेन पटरी पर दौड़ने वाले किसी होटल की मानिंद है। इसमें कई सूट्स भी हैं, जहां होटल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यात्रा बहुत लंबी नहीं है। करीब 27 घंटे की इस यात्रा के दौरान अफ्रीका के तस्वीर सरीखे कुदरती दृश्य आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रेन की गति कोई खास नहीं, मात्र 57 किमी. प्रति घंटे है, क्योंकि इसे होटल रूम सरीखे डिब्बों को जरा नजाकत से ही चलाना पड़ता है और यात्रियों की सुख-सुविधा का खयाल भी रखना पड़ता है। k

द कनाडियन ट्रेन

टोरंटो से वैंकुवर की यात्रा करवाने वाली यह ट्रेन जर्नी आपको 83 घंटे तक सैर कराती है। इस दौरान यह ट्रेन आपको कनाडा के विभिन्न मनोहर दृश्यों से भरी 4466 किमी. दूरी का अवलोकन करवाती है। ट्रेन की गति पहाड़ों की चढ़ाई में कभी मंद पड़ जाती है, तो हरे-भरे चित्ताकर्षक जंगलों से गुजरने के दौरान तेज भी हो जाती है। इस ट्रेन में कांच से बनी बड़ी-बड़ी खिड़कियों से तरह-तरह के दृश्यों को देखना वाकई रिलैक्सिंग और पीसफुल एक्सपीरियंस देता है। k

चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन

द चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन, दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन है। यह यीबू से मैड्रिड तक की 9977 किमी. की यात्रा करीब 21 दिनों में तय करती है। लेकिन यह कोई यात्री ट्रेन नहीं बल्कि मालगाड़ी है। k

अमल करने से ही बनेगी बात

स्मार्टफोन के स्क्रीन से हर पल प्रेरणादायक विचारों की बौछार होती रहती है। लोग इसमें रुचि भी खूब लेते हैं। लेकिन अगर आप स्वयं में सकारात्मक बदलाव देखना चाहते हैं तो सिर्फ मोटिवेशनल कंटेंट देखना नहीं, उस पर अमल भी करना होगा।

सेल्फ मोटिवेशन / चैतन्या

इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मोटिवेशनल वीडियो की भरमार है। ज्ञान फैलाने के लिए बाकायदा एप्स बने हुए हैं। मन-मस्तिष्क को मोटिवेशन देने वाले शब्द लिखित हों या मौखिक, किसी ना किसी रूप में हर पल सामने आते रहते हैं। जीवन को साधने वाले इस कंटेंट को यूजर्स द्वारा खूब देखा-सुना भी जाता है। बावजूद इसके व्यावहारिक धरातल पर जनमानस में इसका असर नहीं दिखता। आंतरिक या बाहरी शक्ति जगाने को सुने गए विचार आत्मसात नहीं किए जा रहे हैं। इनसे प्रेरणा पाकर जन-जीवन में बदलाव लाने के भावों को बल नहीं मिल रहा।

ज्ञान को जीवन में उतारना: भगवान दत्तात्रेय ने सिखाया है कि सच्चा ज्ञान कहीं से भी, कभी-भी प्राप्त किया जा सकता है, बस व्यक्ति की दृष्टि पवित्र और समझदार होनी चाहिए। उन्होंने स्वयं भी प्रकृति के तत्वों, पशुओं और विभिन्न व्यक्तियों, गुरुओं के रूप में ज्ञान प्राप्त किया। पृथ्वी से सहनशीलता, वायु से अनासक्ति और बालक से खुशी का ज्ञान लिया। भगवान दत्तात्रेय का यह सिद्धांत यही बताता है कि ज्ञान का कोई तयशुदा स्रोत नहीं होता। जिज्ञासु और विवेकशील इंसान अपने परिवेश के कण-कण से कोई सीख ले सकता है। हर घटना, हर प्राणी और प्रकृति के हर तत्व से जीवन के गूढ़ रहस्यों को सीख सकता है। असल में यूं ही जीवन से जुड़े विभिन्न स्रोतों से ज्ञान लेना भी चाहिए। परीक्षा तो इन पढ़े, जाने, सुने गए पाठों को जीवन में उतारने के मोर्चे पर होती है। सोशल मीडिया में दिखते मोटिवेशनल कंटेंट को व्यक्ति स्क्रीन स्क्रॉल करते ही भुला देता है। इनमें वह गुरुत्व शक्ति नहीं होती, जो गुणीजनों के सान्निध्य में मिलती है। तभी तो आत्म जागरुकता लाने वाले उद्धरण भी जानकारी, सूचना या कोई समाचार भर बनकर रह जाते हैं।

गुणीजनों का जीवन ही प्रेरणा: हमारे यहां सदा से ही ज्ञानी-गुणीजन जीवन संवारने के उपदेश देते रहे हैं। संसार को दिशा देने वाला ग्रंथ गीता भी श्रीकृष्ण के उपदेश ही लिए है। विचारणीय यह है कि गुणीजनों के विचार ही नहीं उनका जीवन भी प्रेरणादायी रहा है। जिसके चलते आमजन में उनकी कही बातों को आत्मसात करने का भाव रहा। उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता रही। अच्छे विचारों को व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में भी जिंदगी का हिस्सा बनाने का प्रयास रहा। इसकी वजह यह है कि गुरु बोलते भर नहीं, स्वयं अपनी जीवन पद्धति भी बदलते हैं। कहा भी जाता है कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान या उपदेश देकर नहीं, बल्कि अपने आचरण और जीवनशैली से शिष्यों के जीवन को दिशा और प्रेरणा देते हैं। स्पष्ट है कि इसी के चलते सिद्ध पुरुषों के विचार ही जीवन में फलित होते हैं। सोशल मीडिया पर तैरते मोटिवेशनल आख्यानों में प्रेरणा देने की बातें भर हैं। इन बातों को कहने-समझाने वालों का अपना जीवन लोगों को प्रभावित करने वाला नहीं है। इतना ही नहीं शेयर कर आगे बढ़ाने की तकनीकी सहूलियत से हर कोई यह ज्ञान किसी दूसरे व्यक्ति तक तो पहुंचा रहा है पर अपने कर्मों में नहीं उतार रहा। बहुत से इंफ्लुएंसर तो प्रेरणादायी शब्दों को अपनी मार्केटिंग माध्यम बना चुके हैं। वहीं आत्म-विकास हो या आंतरिक शांति गुरुओं का जीवन ही सहज ढंग से व्यक्ति को नैतिक मार्गदर्शन देता है। जीवन को संवारने की सच्ची शिक्षा ही नहीं मिलती, उन उपदेशों से मन को साधने में भी मदद मिलती है।

मोटिवेशनल वीडियो देखने की वजह: जिंदगी में मौजूद किसी भी समस्या से पार पाने, अपने लक्ष्य तक जाने या मन को शांत सहज रखने के लिए मोटिवेशनल वीडियो खूब देखे जा रहे हैं। जबकि असल जीवन में प्रेरणादायी बातों से मनःस्थिति बदलने की प्रतिबद्धता नहीं दिखती। बावजूद इसके सोशल मीडिया प्रेरक सामग्री से अटा पड़ा है। असल में इसके पीछे आनंद के सिद्धांत और डोपामाइन हार्मोन को बढ़ाने की प्रणाली एक अहम कारण है। ऐसा कंटेंट देखने से व्यक्ति को त्वरित संतुष्टि और एक भावनात्मक सहारा मिलता है।

अमल करना सबसे जरूरी: निःसंदेह, जीवन से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्यों को पाने के लिए आगे बढ़ने हेतु सही कार्य योजना जरूरी है। वर्चुअल स्क्रीन में झांकते रहने के बजाय वास्तविक जीवन में नियमित समय और ऊर्जा लगाकर ही अपने आप में बदलाव लाया जा सकता है। आध्यात्मिक उन्नति की जा सकती है। व्यक्तिगत जीवन के हर पक्ष पर संवर्धन किया जा सकता है। k

शर्ट-जैकेट्स, शर्ट और जैकेट का कॉम्बो होता है। इन दोनों की खूबियां मिलकर शर्ट-जैकेट्स बनाती हैं। इस सीजन में इनका ट्रेंड यंगस्टर्स में काफी बढ़ रहा है।

इन हल्की सर्दियों में युवाओं को भा रहीं शर्ट-जैकेट्स

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

शर्ट-जैकेट्स या जिसे फैशन की भाषा में शैकेट्स भी कहा जाता है, इस साल की हल्की सर्दियों में युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। ना सिर्फ स्टाइल के कारण बल्कि इनके आरामदायक, वर्सेटिलिटी और मॉडर्न लुक की वजह से भी ऐसा हुआ है।

क्या होती है शर्ट जैकेट: शर्ट-जैकेट्स, दिखती तो शर्ट जैसी हैं, लेकिन इनका फैब्रिक मोटा होता है और ये हल्की सर्दियों में गर्माहट देकर जैकेट का भी काम करती हैं। इसलिए इन्हें शर्ट-जैकेट्स कहा जाता है। इन्हें पहनने के लिए जरूरी नहीं है कि मौसम बहुत ठंडा ही हो। अगर हल्की हवा चल रही हो तो भी इन्हें आराम से पहना जा सकता है।

इनकी खासियतें: शर्ट-जैकेट्स ट्विल, डेनिम, वूलेन फ्लैनल, कॉटन ब्लेंड या कॉर्डराय से बनती हैं। इनकी डिजाइन बेहद आकर्षक होती है, जिनमें आगे बटन, दो या चार पॉकेट और किसी में खड़ी तो कई में गिरी कॉलर होती हैं यानी दिखने में ये बिल्कुल शर्ट जैसी लगती हैं, लेकिन शर्ट के मुकाबले थोड़ी मोटी होती हैं। हालांकि इनका वजन कड़ाके की सर्दियों में पहनी जाने वाली जैकेट्स के मुकाबले काफी कम होता है। फिर भी ये शर्ट के मुकाबले वजनदार होती हैं। ट्रांजिशन वेदर यानी जब न तो ज्यादा सर्दी होती है और न ज्यादा गर्मी, कहने का मतलब पूरी तरह से बारिश के बाद की गर्माहट का मौसम गया नहीं होता और पूरी तरह से सर्दियां आई नहीं होतीं, इस दौरान इन्हें पहनना सबसे सही लगता है। क्योंकि ऐसे मौसम में जब हल्की ठंड पड़ रही हो, ये बिल्कुल परफेक्ट च्वॉइस होती हैं। इन्हें अंदर टी-शर्ट के रूप में भी पहना जा सकता है। कई बार खुले या बंद दोनों तरीकों से इन शर्ट-जैकेट्स को कैरी किया जा सकता है।

युवाओं को क्यों हैं इतनी पसंद: शर्ट-जैकेट्स युवाओं को बेहद पसंद आती हैं। वास्तव में इन दिनों कपड़ों में लेयरिंग ट्रेंड में है यानी, कई परतों में ड्रेस पहनकर अलग-अलग लुक बनाना। शर्ट-जैकेट्स इस लेयरिंग फिनोमिना की स्टार आइटम है। इसे आराम और स्टाइल के साझे कॉम्बिनेशन के रूप में भी देखा और जाना जाता है। यह न तो पूरी तरह से फॉर्मल है और न ही पूरी तरह से कैजुअल बल्कि इसके लिए जो शब्द ज्यादा प्रचलित है, वह है-स्मार्ट कैजुअल। इसलिए ये युवाओं को विशेष रूप से पसंद आती हैं, क्योंकि उनकी बॉडी में ये एक परफेक्ट बैलेंस बनाती हैं। लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी की वजह सिर्फ यही नहीं है, इसे पॉपुलर बनाने में सोशल मीडिया का भी बड़ा हाथ है। वास्तव में इंस्टाग्राम, पिंट्रेस्ट और यू-ट्यूब पर फैशन इंफ्लुएंसर लगातार इन्हें प्रमोट कर रहे हैं, जिससे युवाओं में इनकी डिमांड काफी बढ़ गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये शर्ट-जैकेट्स, युवक ही नहीं युवतियों के बीच भी खूब लोकप्रिय हैं, क्योंकि इन्हें दोनों ही बड़े आराम से पहन सकते हैं। ये दोनों की बॉडी पर खूब फबती हैं। शर्ट-जैकेट्स पहनने का एक फायदा यह भी है कि इसके कारण बहुत कम कपड़ों पर भी एक कंप्लीट आउटफिट तैयार हो जाता है। बस एक बेसिक टी-शर्ट, डेनिम और ये शर्ट जैकेट्स, बस समझिए पूरा आउटफिट तैयार हो गया।

इस साल है इसका ट्रेंड: इन दिनों यह फैशन या ट्रेंडिंग स्टाइल में इसलिए है, क्योंकि इस साल पुरुषों द्वारा डेनिम और फ्लैनल चेक्ड शर्ट-जैकेट्स को खासतौर पर पसंद किया जा रहा है। अपने नए लुक, स्मार्ट डिजाइन और कलर कॉम्बिनेशन के कारण ये यंगस्टर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं तो लड़कियों में भी कुछ खास कलर्स की शर्ट-जैकेट्स इस साल खूब फैशन में हैं, जिनमें पेस्टल टोन कलर सबसे खास है। साथ ही लड़कियों में इनका ओवरसाइज्ड डिजाइन भी खूब हिट है। चूंकि यह एक यूनिसेक्स फैशन है, इसलिए शर्ट-जैकेट्स को खूब सारे न्यूट्रल कलर्स में भी देखा जाता है जैसे- बेज, ऑलिव, ब्लश पिंक और ग्रे।

कुल मिलाकर शर्ट-जैकेट्स इन दिनों युवाओं के बीच इसलिए भी खूब फैशन में हैं, क्योंकि ये सिर्फ एक ड्रेस भर नहीं हैं बल्कि लाइफस्टाइल का सिंबल बन गए हैं। कम लेयरिंग, ज्यादा स्टाइल और हर मौके पर फिट रहने वाली शर्ट-जैकेट्स आज यंगस्टर्स के बीच पहली पसंद बनी हुई हैं। जहां तक इसके स्टाइल कॉम्बिनेशन की बात है तो शर्ट-जैकेट्स में स्टाइलिश लुक के लिए इसे बेसिक टी-शर्ट या टर्टलनेक के ऊपर पहनते हैं। साथ ही लोअर में डेनिम, चिनो या स्कर्ट पर भी यह बहुत आसानी से मैच कर जाती है। स्कार्फ या कैप के साथ भी इसे कैरी करना अटपटा नहीं बल्कि आकर्षक लगता है। जहां तक फुटवियर्स की बात है तो स्नीकर्स या लोफर इसके साथ अच्छे लगते हैं। k

जिस दौर में कई सुपर स्टार्स बॉलीवुड में एक्टिव थे, उस समय में भी संजीव कुमार ने अपने एक्टिंग टैलेंट से अलग पहचान बनाई। संजीव कुमार की पुण्य तिथि 6 नवंबर पर उनके द्वारा निभाए कुछ यादगार किरदारों पर एक नजर।

हर रोल निभाने में परफेक्ट वर्सटाइल एक्टर संजीव कुमार

यादें
मनोज प्रकाश

सुपर स्टार का ग्लैमर, हिट कराने का तमगा और स्लिम-ट्रिम फिगर अगर किसी हीरो की इमेज को एक डेकोरम देता है, तो किसी भी भूमिका को परफेक्ट तरीके से करना भी किसी फिल्म को हिट कराने की गारंटी हो सकती है। यह बात सिद्ध की थी संजीव कुमार ने। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे कोई रोल निभाते नहीं, उसे पूरी तरह जीते थे। जिस तरह हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज में दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, देवानंद, राजकपूर को बेहतरीन अभिनेता माना जाता है, उसी श्रेणी में संजीव कुमार का नाम भी बड़े सम्मान से लिया जाता है।

'आंधी' में सुचित्रा सेन के साथ संजीव कुमार

हर तरह की भूमिकाएं निभाईं : 9 जुलाई 1938 को गुजरात प्रांत में जन्मे, संजीव कुमार ने जितनी भी फिल्में की सभी में उनके डायलॉग से अधिक उनकी आंखें और मुस्कुराहट ने अभिनय किया। संजीव कुमार हिंदी फिल्मों के ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने हर तरह की भूमिकाएं कीं। यहां तक कि उन्होंने एक ही फिल्म में एक साथ नौ भूमिकाएं निभाकर एक ऐसा कमाल किया, जो 'भूतो न भविष्यति' है। उनके किरदार ऐसे हुआ करते थे, जिन्हें भुला पाना संभव ही नहीं है। 'शोले' और 'आंधी' उनकी दो ऐसी फिल्में रहीं, जिनको भारतीय सिनेमा में मील का पत्थर माना जाता है।

'शोले' में ठाकुर का यादगार किरदार: 'शोले' में संजीव कुमार ने पहले जेलर और फिर ठाकुर बलदेव सिंह का रोल बखूबी निभाया। पूरे परिवार को डकैत गब्बर सिंह द्वारा खत्म कर दिए जाने और उनके दोनों हाथ काट दिए जाने के बाद भी ठाकुर बलदेव सिंह ने जिस तरह से अपना प्रतिशोध लिया, उसने आने वाली फिल्मों के लिए एक मानक बना दिया।

हर किरदार में अलग रंग: फिल्म 'आंधी' में संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए होटल मैनेजर जेके का रोल आज भी दर्शक याद करते हैं। उस फिल्म में उन्होंने एक बेबस पति लेकिन समर्पित प्रेमी के रोल में अभिनय की पराकाष्ठा को छुआ था। जहां तक उनके अभिनय में मौजूद वर्सेटिलिटी की बात है तो 'खिलौना' में विजय, 'अनामिका' में देवेंद्र, 'सच्चाई' में किशोर, 'बचपन' में काशीराम, 'नमकीन' में गेरूलाल, 'राजा और रंक' में विजय और सुधीर, 'कोशिश' में हरिचरण, 'अंगूर' में अशोक और 'वक्त की दीवार' में विक्रम के किरदार ऐसे हैं, जिनसे उनकी प्रतिभा का लोहा सभी ने माना। 'उलझन' में उन्होंने सुलक्षणा पंडित के साथ एक ईमानदार अफसर और पति के रूप में फंसे व्यक्ति के द्वंद्व को बेहतरीन तरीके से निभाया। फिल्म 'नया दिन नई रात' में नौ किरदार निभाना और सभी को उसकी धारा में बहाते ले जाना, संजीव कुमार के बस की ही बात थी। उनसे पहले और उनके बाद आज तक किसी ने नौ रोल नहीं निभाए हैं।

ये भी रहे यादगार किरदार: संजीव कुमार को फिल्म 'दस्तक' के लिए हामिद का गंभीर किरदार निभाने हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके उलट 'पति, पत्नी और वो' में तो उन्होंने हंसा-हंसाकर लोगों को लोटपोट कर दिया था। पत्नी की बीमारी की आड़ में सेकेट्री से प्रेम राग आलापना और पत्नी को समझाना, उस दौर में एक ऐसी कहावत बन गया था कि लोग रियल लाइफ में ऐसे किसी मामले में आपस में एक-दूसरे को कह देते थे-संजीव कुमार बन रहे हो? संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों में 'मौसम' के डॉक्टर अमरनाथ को कैसे भूला जा सकता है? इस फिल्म में उनका डबल रोल, शर्मिला टैगोर के रोल से किसी तरह से कमतर नहीं रहा। इसी तरह फिल्म 'त्रिशूल' तो अमिताभ की कही जाती है, लेकिन इसमें संजीव कुमार ने एक ऐसे व्यापारी का रोल प्ले किया, जो अंजाने में ही अपने बेटे से व्यापारिक संघर्ष कर रहा होता है और उसे पता ही नहीं चलता। इसमें पिता-पुत्र के संवाद, दो प्रतिद्वंद्वी व्यापारियों की उस लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें वे अपनी जीत के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं।

'त्रिशूल' में अमिताभ के पिता के किरदार में संजीव कुमार

उन पर फिल्माए गाने भी हुए हिट: संजीव कुमार पर फिल्माए गाने भी सुपरहिट रहे। 'अनोखी रात' का गीत 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में', 'खिलौना' का 'खिलौना जानकर तुम तो', 'सीता और गीता' का 'हवा के साथ-साथ, घटा के संग-संग', 'अनामिका' का 'मेरी भीगी-भीगी सी पलकों पे', 'आंधी' का 'तुम आ गए हो, नूर आ गया है', 'मौसम' का 'दिल ढूंढता है फिर वहीं फुर्सत के रात-दिन' और 'सिलसिला' का 'रंग बरसे', हर दौर के हिट गानों की श्रेणी में गिने जाते हैं।

अधूरी रही प्रेम की दास्तान: संजीव कुमार ने जिस तरह से फिल्मों में अपना परचम लहराया, उसी तरह से उनके प्रेम के चर्चे भी खूब सुने जाते रहे। हेमा मालिनी के साथ के किस्से तो सर्वाधिक चर्चित रहे ही हैं। सुलक्षणा पंडित के साथ भी उनकी जोड़ी चर्चित रही पर वह भी अपने मुकाम पर पहुंचने से रह गई। खुद के बारे में की गई अपनी ही भविष्यवाणी को सच साबित करते हुए जीवन के पचास बसंत पूर्ण करने से पहले ही 6 नवंबर 1985 को अनंत आकाश में हमेशा-हमेशा के लिए विलीन हो गए। k